(18) (3) MSS HINDI

1. Rachana Sant-Dass
2. Rachana Ram Dass
3. Rachana Moti Dass

कौ अंग ॥ स्तुति ॥ अथ श्री
परंपर कासके ॥ दादू कसत
गुरं रांम ॥ अनंतकोटि ज
नसां हिकी ॥ ताहिकरूं पर
नांम ॥ १ ॥ अंग ॥ सतगुरु

२

काए कौ सबद ॥ मन कौ ईले
वै मांनि ॥ तौ सहज होत है संत
दास मुसकलि सं आसांनि ॥
१ ॥ सतगुर कीन्ही संत दास
मुसकलि सं आसांनि ॥ राम

रांमकीहोइरही ॥ रोमरोमर
जध्यांन ॥ २ ॥ संतदासहमकूकी
या ॥ सतगुरबकस आसांनि ॥ देह
छूटां छूटैनहीं ॥ पारब्रह्मसं
ध्यांन ॥ ३ ॥ सतगुरमेलमिला

ईश्या सुरत्तिसबदकासंग॥ श्र
बछूटतनांहीसंतदास॥ रूपा
करारीरंग॥ ४॥ सतगुरकरूप
रमारपी॥ औसी देहबणाइ
धरीयामुल्लकछुभाडूकरि

अधरमुल्लकलेजाइ॥५॥चौ
रासीधरीयामुल्लक॥तामैंसु
रनररहेसमाइ॥अधरमुल्ल
कहैंरांमनांम॥जांहांजनप
हुंताजाइ॥६॥सतगुरमिली

यांसंतदास ॥ कटीजरमकीपा
सि ॥ जमकरन्नागाजीचकां ॥ ब
स्पारांमकैबासिं ॥ १ ॥ संतदास
ऽ कसबदका ॥ सतगुरमाऽस्या
बांण ॥ जीतरिद्दीगंगाचली ॥

कोईसंतकरतहैन्हांणा ॥ ८ ॥ रां
मनांमसिंन्नसबद ॥ ध्यावतहै
सिंदसेस ॥ संतदाससतगुर ॥
दीयां ॥ हमकंऐहउपदेस ॥ ९
संतदासहमकंदीया ॥ रांमनांम

ततसार ॥ लेपकुं चायामुक
तिकं ॥ ऐसतगुरकाउपगार
१० ॥ सतगुरहमसूंयाकही ॥
जोचाकै निजधाम ॥ अगम
बगालकी हरिकरि ॥ कहौरां

मेहीरांम ॥ ११ ॥ संतदाससतगु
रकहै ॥ सीषहमारीमांनि ॥ रां
मनांमअनादिब्रह्म ॥ सोहीस
तिकरिजांनि ॥ १२ ॥ संतदास
सतगुरकहै ॥ सुणंहमारीसी

६

ष॥रांमछाफिकरिमतिज्ञरो॥
अगलबगलकंनीष॥१३॥स
तगुरमारिंगमुकतिका॥भिरत
ताहीदेहचिताइ॥अबहूंस
एनांहीसंतदास॥जोसिषगा

फिलहोइजाइ ॥१४॥ ब्रह्मा जा
ड प्या संतदास ॥ कूगा ज्यौ जल
मांहि ॥ सतगुर नैं किरपा करी
लीन्ही बांहा समांहि ॥१५॥ स
तगुर कीन्ही संतदास ॥ ऐसी

करैनकोइ॥ नौसागरबिचिवि

रूबतो॥ बांहांपकडिलीया

मोहि॥१६॥ मिलैनइसनौसं

तदास॥ सतगुरजेहांसेएा

रूवांनरमछुफाइकरि॥

पकड़ा वतसतिबैंण ॥१७॥
कुलमैई संसारमैं ॥ सतगुर
कन्हीदार ॥ लैपकूं चावैसु
कतिकं। ड़नकाऐहनुपगा
र ॥ १८ ॥ परमन्नागपुत्तैसंतदा

स॥तबमिलिहैंसत्तगुरआइ
परमपुरषसंतुरत्तिही॥मि
लत्तांहीदेहमिलाइ॥२९॥
मिलत्तांहीसमेंमिलाइ॥चै॥
रांममिलणाकीराह॥औरसि

पतिमैंकाहाकरुं॥वांहासत
गुरुत्राह॥२०॥सतगुरकीमह
मांअनंतहै॥मोपैंकहीनजा
इ॥सुपनरामप्यासंतदास॥
परगटदीयाबताइ॥२१॥स

त्तगुरमिलीयासंतदास॥ कोई
पूरबजनमिकेनागि॥ सुरति
सबदकीसुंनिबिचार होत
नमनीमागि॥२२॥ संतदास
हमकूंकीया॥ सतगुरबक्रत

१०

बिहारन॥परमपुरषसंमननमि
ल्या॥रौंमरौंमप्रसीयाल॥२३
मतगुरकेसदकेकरू॥सि
रश्रपणंसोबार॥जिनांबता
यासतदास॥रामनांमततसा

रा॥२४॥सहजैंहीपायारांम
धन॥सतगुरदीयाबताइ॥
अबटोटानांहीसंतदास॥
मुकतापरचैपाइ॥२५॥रा
मनांमसूधादरा॥सतगुरदी

याकृताऽ॥ जैकोईचालैसंत
दास॥ तोकुसतपकंचैजा
ऽ॥२६॥ तिणकेचौल्हैसंतदा
स॥ परबतऐकरहंत॥ जामैं
कंचनधातहै॥ जांणतहैको

ई संत ॥ २७ ॥ गहे मुदगार गुरु सा
बदका ॥ सिलाभरम की भांनि
मुंनि सिषर बिचि संतदास
निकसै कंचन षांनि ॥ २८ ॥ सं
तदास संसार मैं ॥ रूदर कं रौं भ्र

१२

नेक॥ जबलागैतबक्रघडे॥ ता
रैकचीऐक॥ २९॥ तनहीनी
तरिसंतदास॥ नस्यामुकति
कोहाट॥ कंचीसतगुसबद
कीलगेतोषुलैकपाट॥ ३०

अथसुमरणकौअंग॥

पहलैदिनतौसंतदास॥मा
लासंउपज्योभाव॥दूजैदि
नतौरांमजी॥मालाकरीपसा
व॥१॥मालाफेरतमनफिर्‌या

मनफिरिकहीयारांम॥ रांम
कस्यांतैसंतदास॥ मनपाया
विसरांम॥२॥ मालादृष्टिग्रा
इ संतदास॥ तबकहारांम
हीरांम॥ तापीछेंफुलीयापे

मरस ॥ मनपाया बिसरांम ॥
३ ॥ मन मालाहरिनांवका ॥
होइगयाइकरंग ॥ कोटोके
सैंछिटकाईंटो ॥ संतदासंपे
हसंग ॥ ४ ॥ रांमरांम निसदिन

कहै॥ मनवादेतमिलाइ॥
तबन्हचैकरिसंतदास॥ज
मकाथकानघाइ॥५॥संतदा
सइकसबदबिचि॥जोमन
रहैसमाइ॥तोचौरासीआवै॥

नंही॥जमकाधकानषा॥ई॥
ई॥रांमनांमसैंध्यांनधरि॥जो
सासामिलिजाइ॥तौचौरासी
बिचिसंतदास॥देहनधारै
काय॥७॥अगलबगलपगाध

१५

सापक॥ तिलजारिनांही गांम
जाइ मिलाचै जो तिकं॥ संत
दासइ करांम॥ ७॥ सबनांमां
मैरामनांम॥ जो तिसरूपी एह
कोई अगावै ध्यांनधरि॥ तो धरै

नहजीदेह॥ ए॥ नरमरोग
तबदीमिटआ॥ रहआनिरंजण
राइ॥ तबजमकाकागलफ
टआ॥ कहआकरमतबजाइ॥
१०॥ हजासबकुगानरम

१६

संतदासदेषेलि॥ रांमनांम
लेध्यानबिचि॥ गरसिपरसि
होइषेलि॥११॥ कंणपरो
जनजगतसं॥ मुकतिपकूं
तांप्रांण॥ चौरासीकासंतदास

मिटिगया॥आवणजा॥१२॥
रांमरांमकहौसंतदास॥
छेकिचौकवीगल॥आसा
मौसरजातहै॥हरतबेमरदे
हल॥१३॥रांमजनकासं

तेहांस॥ जाइरे मोसर जाइ
मरदां मरदीं करत है॥ संत
ब जाइ ब जाइ॥१४॥ पलप
लै काची देह की॥ छीन होत
है आव॥ नरकूं चलै संतदा

स॥रांमननजनकादाव॥सा
जबरद्यानबमारीया॥गाफि
लऐकलगारा॥रांमरांमक
हौसंतदास॥सासमासक्रूसी
यार॥१६॥धावतहैचारांम

के॥ब्रह्मा बिस्न महेस॥नर
क्यूं बिसरै संतदास॥गुजर
तहै रोहनेस॥१७॥सतपुर
सां को ऐकदंम॥जेती नांही
श्रादि॥नर क्यूं चकै संतदा

सरांमनजनकादाव॥१८॥
केतेधरअंबरहोइगाए॥ जु
गकेतेहोइजात॥ संतकहत
हैसंतदास॥ तापहलंकीबा
त॥१९॥ जेतैंरांमबिसारीए

१९

तेते। गिणां तेहां णि ॥ जेतैरां
मांचेतारीते ॥ तेती ही बधि
जांणि ॥ २० ॥ जीवणमरणल
गांकरसि ॥ रहैरांमसंप्री
ति ॥ संतदासनरदेहकी ॥ वै

गया जबाजी जीति ॥२१॥ सु
मनजनकोलगिर है ॥ सल
बांकं मनमांहि ॥ औरकुदि
मसंसंतदास ॥ रजाबंधकुं
नांहि ॥२२॥ लगार है एकस

२०

बूदसं॥ नहीं औरसं कांम॥
मनसावाचासंतद्दास॥ तब
हीराजीरांम॥२३॥ संतदास
कै ध्यांन बिचि॥ रहतरांमही
रांम॥ दूजीऊ गीगलसैं॥

नहीं हमारे कांम ॥ २४ ॥ रांम
रांम कहै संतदास ॥ तेरा रांम ही
कांम ॥ रांम रांम संत कहत
है ॥ परम मुकत्ति की धांम ॥
२५ ॥ औरसबै बलछा किम

२१

ता॥ होइ निरबल्लजिरांम
सबसंतनका संतदास॥ जोचा
है निजधांम॥२८॥ रांमनांम
कूं रातिदिन॥ यादिकरतहै
कोइ॥ संतदासतिहुंलोकमें

बुधिवांनहैसोइ ॥२७॥ बेबु
धीयासंसारहै ॥ बुधिवांनको
ईसंत ॥ संतदासोएकरांमकूं
तिसदिनयादिकरत ॥२८॥
रांमभजनमैंरांमका ॥ पावै

२२

गादी दास॥ रांमजन बिनि संतदास॥ पचिमुवा संसार॥ २९॥ रांम नांम कूं संतदास॥ या दि करै जो कोइ॥ मुकति लहै सुष मैं रहै॥ मनबंछत फल लहै॥

ड ॥३०॥ रांम मिलावै तो षि
लै ॥ रांम जन का सुष ॥
न बजाइ छूटै संतदास
चौरासी का दुष ॥३१॥ रांम
नांम का ध्यांन धरि ॥ मन

२३

बंदित मिलाइ ॥ चौरासी की
बंदगी ॥ सब ही छूटै जाइ
३२ ॥ राम जन की बंदगी
राम क्रिपा सूं होइ ॥ राम
जन बिनि संतदास ॥ राम

नपावैकोइ ॥ ३३ ॥ रामक्रि
याजबहोतहै ॥ तबकछ्या
जातहैराम ॥ रामक्रियावि
निसंतदास ॥ होतनहीहैं ह
काम ॥ ३४ ॥ राम नाम मेंसंत

दास॥ मनवाबेगिमिलाइ॥
बांजो मिमपादेह की॥ हरि
पदैगीजाइ॥ ३५॥ रामनाम
कीसंतदास॥ मोहिपरीपर
तीति॥ ध्यांवैसोपावैमुकति

स्मावौलबिंदूसरीति॥३६॥
सरीतिलखं कयासंतदास॥
वाकीयाहीरीति॥रामकहत
अधिमतिस्या॥यमेरेपरती
ति॥३७॥अगानिजलावेंसंत

दास॥ वाकोयोहीसुनाव॥

सुराम्रनोमंत्तारेसही॥ त्यो

कोईनाव्रअंनाव॥ ३८॥ आ

कोसांधकहतहे॥ कहतप

ताह्रासेस॥ मधितोकबि

चिसंतदास ॥ रांमहीकहतम
हेस ॥ ३९ ॥ म रिषनजाणोंबा
पडा ॥ सोतोबुधिकाहीण ॥
रांममाहातमसंतदास ॥ कोई
जांणोंसंतपरबीण ॥ ४० ॥ रांम

केसाजबसंतदास॥ सबत्रा २६
याइसमाँहि॥ तीनलोकबि
चिकहएकं॥ पीछैरसाकु
छिनाहि॥ ४१॥ आठपहरबि
चिएकबेर॥ जोमुषिरांम:

कुहाड़ ॥ ताकी महमां संत दा
स ॥ मोपैं कही न जाइ ॥ ५२ ॥
आठ पहर बिसरै नहीं ॥ पल
क ऐक ही रांम ॥ वा का तो है सं
त दास ॥ जीवत ही मुकति मु

कंग्रंम ॥४३॥ आठपहरचौसठि २१
घड़ी॥ रहैरामसंरत॥ जबजा
इफाटैसंतदास॥ चौरासीका
पत्त॥४४॥ गोरांकसंकरदी
या॥ अजरअमरधनऐहता

कैपी छैं संतदास ॥ धरी नहूं जी
देह ॥ ४५ ॥ फिरि फिरि देष्या संत
दास ॥ करि करि बहुत उपाव
नै सागर के तिरण कूं ॥ ऐक
नांव की नाव ॥ ४६ ॥ राम नज

नंपकूंचीया ॥ आगेंहीसदा
ति ॥ वांग्रोणपांकीसंतदास ॥ स
हजैन्हईमुकंति ॥ ४७ ॥ बका
होतकयावेरहे ॥ जोहरिपक
डैहाथ ॥ संतदासलकडीब

षी ॥ बिनिकपल बिनिपात
४८ ॥ बरसहांकगैनही ॥ मा
रिगमांही घास ॥ यूं राम कं
हासंसंतदास ॥ होइ कर
मकानास ॥ ४९ ॥ राम नज

नकाअनंतबल॥ तगौनकि
सकादाव॥ संतपरूतासंत
दास॥ देजमकेसिरिपाव॥ ५०
सबपीरूकापीरहे॥ संबदे
वनकादेव॥ सबसिधकासि

धरै॥ ताकी करी ऐसेव॥ ५१ ॥
साध कौ अंग॥ सुरति मिला
वै सबद सूं॥ पकडै चौप्यां
घूंट॥ संतदास वा संत कूं॥
यां ही है बैकुंट॥ १ ॥ संतदा

सरोसंतजन ॥ हैबाचालीषु
दाइ ॥ रतनअमोलिक दे
तहै ॥ रंकहांथिपकडाइ ॥
२ ॥ सतपुरसांकेसंतदास
षोंनिघुलीघटमांहि ॥ हीरा

फिरैतछालत्ता॥ वैटटपूंज्या
नांहि॥३॥ संतदाससंतातणां
ऐदोइबकासुनाव॥ आयां
हरषनऊपजै॥ गयांनहीं॥
एराव॥ ४॥ संतांकाबाजार

मैं ॥ कोई गाहिक पूछै आइ
तो राम मिलण का संतदास
सो दादेह बणाइ ॥ ५ ॥ माया
का गाहिक संतदास ॥ मिल
ता है सब कोइ ॥ जै कोई गा

हिकनांवका ॥ मिलैतोसौदा
होइ ॥ ६ ॥ संतदाससंतांत्त
ऐ ॥ रांमबेसैमनमांहि ॥ बा
हिरिकाढिदिपाईऐ ॥ सोना
टिकचेटकनांहि ॥ १७ ॥ नी

यांकंचाराजहे॥राजांकंचा ३२
संत॥संतांकंचा संतदास
जोएकोहीरामकहंत॥६॥
रामनामत्यारण तिरण॥जा
संकरीएनाव॥औरसबेही

संतदास ॥ ठिगापांणैंकादा-
चु ॥ ८ ॥ धनवंतकौ आदरक
रैं ॥ निरधनकूं कहै दूरि ॥ सा
धनहीवैसंतदास ॥ है कोई मा
यातणां मजूर ॥ १० ॥ उपदे.

सकोअंग॥ रांमननजनकूंसं ३३
तदास॥ राजात्तजिगाऐराज
हीरामोत्तीअसतरी॥ औरकि
तेगाजबाज॥१॥ संतदाससब
राजका॥ छाकिछतीसंजोग

हरिरसपीवएक जितीयो ॥
राजान्नरथरजोग ॥२॥ पारस
श्रामासत्तदास ॥ जोटुकपड
दाहोइ ॥ लाषबरसजेलारहै
तोहीतोहाकनकनहोइ ॥३॥

रांमकुहांयांसंतदास ॥ उनी
यांनुलटीजांहि ॥ कहकंूक
रिकहीऐरांमजी ॥ लिष्योला
गभैनांहि ॥ ४ ॥ सबकाकूकैरां
मनांम ॥ लषियौतालामांहि

कागदकासिरनांवजमूं ॥ बां
चत्तकोईनांदि ॥ ५ ॥ ग्रिही कूं
कहीऐसंतदास ॥ हापूं करी
ऐकांम ॥ छिफिरूं वी बकत्री
दिकूं ॥ मुषसूं कहीऐराम ॥ ६

रांमनांमहैसंतदास॥ सब
संसोहीराकांम॥ यादिकरो
कोईरातिदिन॥ नावैजैसीवां
म॥७॥ रांमनांमभैसंतदास
रतीनचालैषोट॥ अधरपंथ

काचालणं॥ निराधारकीचो
ट॥८॥ पलैसुरत्तिकैसंतदास
बंध्यारांमकानांम॥ तापीछै
घरवंधका॥ करोनचीतांकों
म॥९॥ रांमकहत्तगवरांसंकर

रांमकहतसुषसेस ॥ रांमनांम
हैसंतदास ॥ सबकारूतपदे
सं ॥ १० ॥ बीनती कौ अंग ॥
अजबगरीबीसंतदास ॥ ज
बतबोलेहबचाइ ॥ नाहीन

हीं मंकी अवासि ॥ मनीमारि
लेजाइ ॥ १ ॥ मनीधारि इसष
लक मैं ॥ जीतिगयानहीं को
इ ॥ मनीकासिरसंतदास ॥ मै
हचैनीचाहोइ ॥ २ ॥ रामनि

३७

रंजाएब्रह्मसं ॥ मिलेनिम्मां
णांहोइ ॥ मुरडाटेढीरांमसं
मिलपानदीगंगाकोइ ॥ ३ ॥ पक
डिगरीबीदीनहोइ ॥ मुषसं
कहीएरांम ॥ तबपावैगासं

तदास। परमंमुकतिबिसंरां
म।ध।सबसंतनकेचरणकी
संतदासहैधरि।अबचरणां
संरामजी।रषीऐनांही दूरि
।धरीयाजेणफकीरका॥

तबदावासं क्याकांम॥ निर
दावैहोइ संतदास॥ भजीरे
केवलरांम॥ ८॥ सुगराजोगी
संतदास॥ बंनषंफ करतनि
वास॥ आइ बरतैसहजकी

रषैअलषकीआस॥७॥कोई
मेलैप्रीतिस्यूं॥कोईदेवैगार
सतपुरसांकैमंनदास॥क
लपलानहीलगार॥८॥जांहां
देषंजांहांऐकलं॥आगेंपी

है रांम ॥ तिहूं लोक बिचि
संतदास ॥ औरनहीं बिसरांम
७ ॥ रांमसरीषा रांमहै ॥ और
न दूजा कोइ ॥ साचन मांनैसं
तदास ॥ तौतीनलोक फिरि 

जोड़ ॥१०॥ सहजहोत हैजग
मैं ॥ रांमनांमकीगाज ॥ प्यारी
लागेसंतदास ॥ मुक्तिकूं ऐ
हश्रवाज ॥११॥ सबसंतनमि
लिसंतदास ॥ मपीयाचारयूं

बेद॥ ऐकोंहीसबदनिकासी
या॥ सब बेदूंकाभेद॥१२॥
रामभजनसुषसंतदास॥
भरीयासमंदअघाइ॥ अनं
तकोटिजनपीगया॥ अज

कूपीपीजाइ॥१३॥सुमरिसु
मरिजुगअसंषबिचि॥तरि
गएसंतअनेक॥कुछिघटा
नबधीयासंतदास॥बौनांब
एककाएक॥१४॥आनन्नर

मजारौंनही ॥ रांमनांमकीटे
क ॥ रूपंमैंछांनांनही ॥ सं
तदासकान्नेष ॥ १५ ॥ अथ
कालकौअंग ॥ चेत्तिबेअं
धाचेतिकुछि ॥ हलकरि

रांमसंम्हालि ॥ बंध्या जम
की जेवड़ी ॥ षधाकषधाका
लि १ ॥ रांम्रांमकहोसंत
दास ॥ छाकोसबेजंजाल ॥
ऐकरांमकानांवबिनिं ॥

जांहांदेषूं जांहांकाल ॥२॥
रांमकह्यानंहीसंतदास ॥
मितबादेहीपाइ ॥ सोनर
चौटांकालकी ॥ चौरासी
बिचिषाइ ॥३॥ कालघर

टीगौबकी॥हैजमफेरएहार
ऐकऐंगालैकरीया॥संतदा
ससंसार॥४॥सुरगलोकपा
तालिलूं॥मधिलोकरहैजा
इ॥कालसंफेरासंतदास॥

जांहांतांह्वांकरिबाइ॥ ५॥ त
नसरवरमनमाछली॥ काल
किलकलाहोइ॥ संतदास
निसदिनन्वें॥ पड़सीचाल
पजोइ॥ ६॥ कालकिलक

लासंतदास॥ निसदिन नवैसु
चेत॥ रामजनजनसं प्रांणीयां
ऐकयूंफिरैअचेत॥७॥ रांमरा
मकहौसंतदास॥ होइहोइ
कसीयार॥ कालगजबसिर

परिषडा॥पडंतांकितीइक
ार॥ ८ ॥बेगाबेगीरांमकहै
ीत्तनकरितित्तमात॥संत
दासइसजीवकी॥काळक
रतहैघात॥ ९ ॥काळइसम

एजीवका॥मास्याच्याकेतोहि
कंएनरोसैसंतदास॥रह्या
नचीतासोइ॥१०॥जीवऐक
उसमएघएां॥क्याजीवएए
कीत्रास॥मास्याकमास्यासं

तदास ॥ के दिन कोई मास
११ ॥ जमजोरावरसंतदास ॥ सं
कनमांनैंकाइ ॥ लावलसक
रदेषतां ॥ हकोधकांनेजाइ
१२ ॥ मेलिलसकरसंतदास

चलतछित्रकीछांहां॥प
एाजमजोरावरदेबीपा
बैंचिलीयौगहैबांहां॥१३॥
मैंकूंमैंकूंहोइरह्या॥संत
दासजगमांहि॥मऱांपीछैं

रोड़दे॥ औरजोरकुछिनांदि
१४॥ दुनीयाफिरिफिरिसंत्त
दास॥ देत्तभड़ाकंधाह॥ आ
पमरणकीगमनहीं॥ होइर
ह्याबेपरवाह॥ १५॥ पलक

रमतहैसंतदास ॥ जमकीफा
हांमांहि ॥ रांमकहैतौनीकसै
नहीतौतिकसैत्तनाहि ॥ १८ ॥
रांमकहैतोकबरे ॥ ऊपटका
ळकीमांहि ॥ संतदाससंसार

मैं ॥ हुजादी सैनांहि ॥ १७ ॥ तिह्र
लोक छूटै नहीं ॥ क्या बूढा ॥
क्या बाल ॥ संतदास ई काल
का ॥ ऐही बकाजे जाल ॥ १८
सुरति नीकसी संतदास ॥

तोडिजरमकाजाल॥ मिली
सबदकाकालसं॥ तबकाहा
करैगौकाल॥१९॥ संतदास
तिंहंलोकमैं॥ ऐहछूटएा
कादाव॥ रांमनांमसंमन

मिलै ॥ हू जानंही गुपाव ॥ २० ॥
सबजुगाषेलै संतदास ॥ जम
कीफाटांमांहि ॥ रांमनांवसंभ्रि
लिरह्या ॥ सो फिरि भरतानां
हि ॥ २१ ॥ रांमनांम बिचिध्यांन

धरि ॥ मनचौरहतसमाइ ॥ सं
तदासतबकाळस ॥ मरैनमा
स्याजाइ ॥२२॥ जांहांजाइतांहां
मारीए ॥ तीनलोककेमांहि
ऐकरंरकारबिचिसंतदास

काळतणीगमनांहि ॥२३॥ रां
मसबदअकाळहै ॥ निसदिन
जपीएऐह ॥ कोईदिनलगि
संतदास ॥ जोराबीचाकैदेह
॥२४ देहगयांकासंतदास ॥

पिछतावानहीकाइ॥ रांमज्ञ
जनपरतापस्वं॥ जीवत्रमर
होइजाइ॥२५॥ अथचिंता
वणीकौअंग॥ रांमनाम।
कीसंतदास॥ मोडीपडी। पि

छांणि ॥ केतादिनबालपणैंग
या ॥ केतागयाअजांण ॥ १ ॥ रां
मभजनसैंसंतदास ॥ गाफिल
रहतगिंवार ॥ ऐहमोसरमि
नखादेहका ॥ मिलैनबारूंबा

र॥२॥चेत्यानांहीसंततदास॥
मिनषादेहीमांहि॥अबकाबि
छड्यारांमस्ं॥सोफिरिमिल
तानांहि॥३॥पदरांच्यायासंत
दास॥होइसहराइसमांहि॥

बारबारनरदेहका । चहरामं
ऐसीनांहि ॥ ४ ॥ रांमनांमसूंरैं
णिदिन ॥ रम्यांनहींइकसारि
मिनषजनमकीसंतदास ॥
वैगयाजबाजीहारि ॥ ५ ॥

रांमकहतनहीहेकडा ॥ करतभजनमैंनेतल ॥ मिलिनहीमक्यासंतदासा ॥ तातैंरह्याअमेतल ॥ ६ ॥ र
हा अभेलारांमसं ॥ माया

५२

सेतीमेल़॥ संतदासकैसैंक
टै॥ चौरासीकी जेल़॥१॥ रां
मनांमकूंध्यांनबिचि॥ धारि
सकैतौधारि॥ पीछेंत्राका
संतदास॥ पडैगाजुगच्यारि

६ ॥ च्यारि जुगां बिचि ऐक बि
रि पावै गा नरदेह ॥ रांमभज
नकूं संतदास ॥ नी मिलै न मो
सरो एह ॥ ६ ॥ मिनषा देही पाइ
करि ॥ रांमनजां प्यांरे क ॥

तोचौरासीबिचिसंतदास॥वे
धरसीजनमअनेक॥१०॥रांम
भजनकीसंतदास॥टांकील
गीनकाइ॥चौरासीकीअज
कमैं॥जेनरआवैजाइ॥११॥

लषचौरासीजुगतिकरि॥ मि
नषादेहपाई॥ रामभजनबि
निसंतदास॥ फिरिचौरासीजा
ई॥१२॥ लषचौरासीजुगति
करि॥ पाईमिनषादेह॥ राम

नजनकं संतदास ॥ आयामो ५४
सरणेंह ॥ १३ ॥ रामभजनकै
मोरछे । गांढारोपीपाव । ओ
सरच्छकुकां संतदास ॥ मोडौ
आसीफाव ॥ १४ ॥ बेरबेरसत

गुरकहै॥ मदन्नागीकुछिमां
नि॥ रांमकहएकऐहछिनि
मितसीनांहिनिधांन॥१५॥रा
मनांमकसंतदास॥ करिके
रिकुछियादि॥ मरिषमिन

बाजनमकी॥देहजातहैबा
दि॥१६॥योङाहीजीयाषूब
हैं॥जोरकंहैमुषिरांम॥रांम
कहैनहीसंतदास॥तौबौहो
तजीयाकिसकांम॥१७॥कल

पबरसजीवणअलप॥जोमु
षिकद्यानरांम॥अलपहीजी
वणहीषबहै॥जोलहैमुक
तिबिसरांम॥१८॥मरणांहक
हैसंतदास॥जीवणफूठाजां

णि॥ जिसकारणिउसरामकूं
हूंतनकरिबेगिपिछांणि॥१९
रांमभजनकीसंतदास॥ तत
बदेतहैसंत॥ चेतैनंहीअचे
तनर॥ बोहोतपुकारिकहंत

२०॥ संतजगावतबेरिबेरि॥
सोवतहैसंसार॥ रांमभजनं
संसंतदास॥ होतानहीकुसी
यार॥ २१॥ रांमनांमततसारहै
ध्यांनधरोनरनारि॥ बोहोत्त

कहतहैसंतदास॥संतपुकारि ५७
पुकारि॥२२॥तीनलोकबि
च्चिसंतदास॥रांमनांमततसा
र॥नरनारीसुमरैनही॥जाका
जनमधुवार॥२३॥कहकह

पक्यासंतदास॥ सतगुरबारं
बार॥ रांमनांममांनैंनहीं॥ सां
गबांगसंसार॥ २४॥ कहैंथ. कह
क्यासंतदास॥ मांनतनहीं त
गार॥ ब्रह्मसरूपीरांमसूं॥

न्तिऊ किरह्योसंसार ॥ २५ ॥ झू
ठाऊंमरफोलबिचि ॥ झूठा
सबसंसार ॥ ऐकरांमभजन
बिनिसंतदास ॥ करिगयाज
नमषुवार ॥ २६ ॥ रांमनांम

मांनैंनहीं॥ होइरह्या बारबा
ट॥ संतदासजपांमुकतिकी॥
छांमीत्रासनिराट॥२१॥ संत
दासइसजीवकी॥ काहाक
रूबातबणाइ॥ रांमनांममां

नैंनहीं॥ चौरासी कूं जाइ॥२८॥
चौरासी कौ जी वूडै॥ अमरा
पुर कूं जाइ॥ तौ संतदास संसार
मैं॥ मा चै तिराइ तिराइ॥२९॥
चौरासी की बंधि तें॥ जे कोई

छुटिरजाइ॥ तौसबही द्दनीयां
संतदास॥ ऊचत्तहैक्तुरत्ताइ
३०॥ संतदाससतगुरकहै॥ दु
नीयांमानतनाहि॥ रांमकहै
तौसुषलहै॥ नहीतोदुषकी

६०

ऊपहीमांहि ॥३१॥ संतदाससं
सारके ॥ सुबधिनआईहाथि
जनमअमोलिकपाइकरि ॥
गयाकुबधिकीसाथि ॥३२॥ मि
नषादेहीसंतदास ॥ ऐहअमोलि

छुटि ... सबही

सं ... वत्तहै

... समम ...

... नक ... कहै

... जपका

ऊषदी मांदि ॥ ३१ ॥ संतदास सं
सार कै ॥ सुबधि तआई दा[illegible]
जनम अमोलिक पाइ क[illegible]
गया कुबधि [illegible]
[illegible] संत [illegible]

कजांणि सुबधिरामकानां
महै लेपकरू चैनिरबांणि ३३
रामकहाजपांषाटीया मिन
षादेहीपाइ ओरसबहीसंत
दास गईयामरुगुमाइ ३४

६१

रांम क्रिपा होइ संतदास ॥ तब
ही कही ऐ रांम ॥ रांम कहा बि
निअपत हैं ॥ जगत सबै बेकां
म ॥ ३५ ॥ काची माया कारणैं
ऊरिम्रू चा संसार ॥ संगिनचा

ती संतदास ॥ अंतिकालकी
बार ॥ ३६ ॥ हैगे मैगे मतंगे ॥ ॥
वारि षड़ा गज बाज ॥ संतदा
स ऐक रांम बिनि ॥ ऐह संपति
कहैं का जि ॥ ३७ ॥ ऐक समैं त्री

सौ बणैं ॥ तीन लोक कलहै राज
रांमकह्यानहीं संतदास ॥ तौ
सरयानऐंकौ काज ॥ ३८ ॥ गा
दी मोड़ नां षिकरि ॥ बैगा है
करि फत्ति ॥ अंतिर है गानर

1479

कमैं ऊधैमूढे कूलि॥ ३ए॥
पहरिसुगंदाकपड़ा॥ चाले
औंढी चाल॥ बाहिरिकजाल
संतदास जीनरिगंधीषाल
४०॥ हाथिकड़ापगिसांक

६३

ला॥ गलिमोतीइनकीमा॥
लं॥ लेबंध्याकडिमेषला॥
ऐसैपकडाकालि॥ध१॥
मायाकेसंगिसंतदास॥मन
रहतमगरूर॥ चौरासीबि

चिदोऽरगा॥ जनमजनमच
कचूर॥४२॥ दरपएमैंमुष
देषिकरि॥ मनमैंहोत्तषुस्या
त॥ अंतिबिएसैगीसंत्तदास
रहैनगांधीपारन॥४३॥ पांक

६७

जातघीषातहै ॥ चिंताबिस

र्योपीव़ ॥ चौरासीकीजल

तिमें ॥ दुषपावेगाजीव़ ॥ ५४

॥ रामकहतनहीसंतदास ॥

करैछतीसंजोग ॥ जमपुरि

बंध्या जां हि गे ॥ बके मात ब
रत्तो गा ॥ ध्ध ॥ त्रा हि त्रा हि त्र ब
करत है ॥ लष चौरासी मां हि
मिनषा देही पाइ करि ॥ राम
कहै कयूं नांहि ॥ ध्र ॥ राम

कहैतोकबीर॥क्यारंकचा
क्यारांक॥नहींतरिहोसीसं
तदास॥चौरासीबिचिनां
रू॥४१॥रामनामकूंछांडि
करि॥दूजाकरतउपास

सोऽनुगतैगासंतदास ॥ जन
मजनमजमन्त्रास ॥ ४८ ॥ अ
गलबगलकीसंतदास ॥
छिदिदेषैंचातांणि ॥ रांमनां
मसूंमिलिरहै ॥ तौलगेनज

मकाबांण ॥ ४९ ॥ जमकाफो ६६
कापडतहै ॥ रांमबिनांजग
मांहि । होकादेतहैंसंतदास
लोकासंमकतनांहि ॥ ५० ॥ क
होकिसकामात्तापिता ॥ को

हौ किसकी सुत जोइ ॥ संतदा
स ऐक रांम बिनि ॥ इस कास
गानकोइ ॥ ५१ ॥ सब्बै भ्रस सगा सं
तदास ॥ सगा ऐक है रांम ॥ भ्रा
त्रि भ्रंति इस जीव कै ॥ चरण

कबहू बिसरांम ॥ पर ॥ मात ६१
पिता भाई सगा ॥ रहै षांमका
रांम ॥ धुरि निरबाकुजी वकं
संतदास एक रांम ॥ ५३ ॥ रांम
रांमक हो संतदास ॥ निसदि

नऐकैंधात॥ रांमबिसास्याहो
तहै॥ जीवजमांकीघात॥पच्छ
मनकूं लेकरिसंतदास॥ रां
मनांमबिचिगाफि॥ ऊगाऊ
ऊटजगातका॥ ळेंफिबेमूरि

६६

षळ्कंफि॥पप॥ रेजपराधीप्रां
णीयां॥कूडीगलनकपि॥
ऐकरांमजजनबिनिजाइ
गा॥जमकामांगयांसपि॥पद्ं
ननसराइमनपपीया॥बा

सोबसीया आइ॥ ऐकरैं कि
कीगुदरि है॥ फजरकूं चक
रिजाइ॥ ५१॥ आइ देषीसंत
दास॥ ऐजगबकी सिराइ॥
कितांकूं चकरिजातहै॥ के

६९

ताकतरैआडू॥५८॥इकआ
वृतऐकजातहै॥चलीजात
टकसाल॥चौरासीकासंतदा
स॥मिटतानहीजंजाल॥५९॥
हकहस्याबीचालीरो॥दगा

नकरीऐकोइ॥ दगाकीयांतैं
संतदास॥ फिरिदगाहीहोइ॥
६०॥ औरजमांनांसंतदास॥
आगैपीछैहोइ॥ कलिजुग
हपंहपिहैं॥ बुराकरौंमत्ति

कोडु ॥ ६१ ॥ अंतिमराणांहैसं
तदास ॥ जांणांहैजगद्भौफि
वांहांदेणांहैलेषाडुरसि ॥ कु
लेवैगामुषत्तोडि ॥ ६२ ॥ दीन
दरघेहसंतदास ॥ अदलिहि

साखीएह॥नेकीसबन्नरिदे
हगा॥बदीसबैन्नरिलेह॥ ६३
दरघहैसंतनागीरका॥आवै
गाफुरमांन॥ऊचिचलैगाहे
कडा॥बसतामेन्हिजिहांन

दृष्ट॥ जमकाउहप्यासंतदास

आवैआचावकूच॥ बिलमन

हीऐकसासका॥ कूंचबेलो

काकूंच॥ दृप॥ साहिबकाफु

रमांनसूं॥ जीवकूंचकरिजा

इ॥ पीछेंसूं डनीयांसंततदास ७१

रूमीदेहजलाइ ॥ ६६ ॥ मूवां
पीछैंसंतदास ॥ जीनहीउपा
इ ॥ कांगारौलैमांफिकरि ॥ पी
छैंआपआपकंजाइ ॥ ६७ ॥ बि
णसिजाइगासंतदास ॥ एहऔ
जरदकिलाप ॥ पीछैंनेकीबदी

७२

कादोऽगा ॥ दरघैमांहिनिसा
प ॥ ६१ ॥ फकरफाकासंरहै ॥
कोईअंतपावैनरपूरि ॥ तौ
ही हूकंगाऊसमांनिहै ॥ मुस
लमांनकंसूर ॥ ६६ ॥ धरमसे

तीराफिलरहै॥ अधरमसं
कुसीयार॥ सोनरषाड़गासे
तदास॥ घणांमुदगरांमार॥
९८॥ रांमबिनोदमजातहै॥
बिनिदतिबदिनजाइ॥ संत

दासवांकयाकीयो ॥ मिनषा
देहीपाइ ॥ १० ॥ अंनदीयोंन
नहीहाथस्तू ॥ मुषस्तूकहौ
नरांम ॥ मिनषादेहीसंतदा
स ॥ जपांपाईहैबेकांम ॥ ११

रांमकहैनहीसंतदास॥हा
पंदेवैकोइ॥लषचौरासी
जूंणिमें॥चुणिचुणिपावैसो
इ॥१२॥रांमकहैहापंदेवै
फलफूनहीचाकै॥संतदा

सवैप्रांणीयां ॥ अमरापुरयावै
१३ ॥ संतदासनरदेहका ॥ ध
रीयांकाफलएेह ॥ कैंनजीए
करतारकूं ॥ कैंकुछिकरसं
देह ॥ १४ ॥ रांमकहणहाप्रं

देण ॥ छलनबातहैदोइ ॥ सं
तदाससोहीकरै ॥ नागबकै
जोहोइ ॥ ७५ ॥ रांमकहणहा
र्थ्यूं देण ॥ ऐबकनागीकाकां
म ॥ संतदासबिसरैनही ॥ ९

दोइ आवूं जांम ॥१६॥ संतदा
स संसारमैं ॥ दीरघेपदवीदो
इ ॥ चोरासी बिचि धरमकी ॥
नांव परमपद होइ ॥१७॥ सं
तदासति इंह लोकमैं ॥ जतन

जीव़काएह ॥ मुकतिलहैत्तो
रांमकहै ॥ संपतिलहैकुछि
देह ॥ १८ ॥ माया़त्तोबरतीन्तः
ली ॥ संचत्तिकीजेनांहि ॥ जन
मजनमआगेमिलैं ॥ मुजस

बैठे जुगमांहि ॥७९॥ मायासं
गिलेसंतदास ॥ तोबावरिअप
णैंहथि ॥ जंू आवै जंू बरती
ऐ ॥ दीजे रांमअरपि ॥८०॥
मायाजगातकीसंतदास ॥ तक

तीदेबेकांम ॥ अरषिंनलागैरां
मकै ॥ जाकीठीकनगांम ॥ ८१
ङनींयांअपजसकारऐं ॥ सब
धनदेत्तलूटाइ ॥ ठनदीयोठ
निजसकीयो ॥ समोसमाह्रो ङ

जाइ ॥८२॥ धनषरचैओंधी
डुनी॥ जामैंसुधिनकाइ॥ ए
करांमनिमतिबिनि[illegible]संतदा
स॥ जमकेठेषैजाइ॥८३॥ सं
तदासजाकीसंपति॥ निमति

रांमकैजाइ॥तौजनमिजन
मितसजीवकूं॥रजहोइगी
आइ॥८४॥कहैरेकहैकुछि
रांमकहै॥दैरेदेकुछिदेह॥
मिनषजनमकासंतदास॥

पीछैमिलैनमोसरऐह॥९५॥
कहांजाइतोरांमकहै॥दीया
जाइकुछिदेह॥अंतिरहै
नहीसंतदास॥यादेहहोइगी
षेह॥९६॥संतदासइसदेहका

मोहिन्नरौसानांहि बीसासो
जीवणकहै ॥ छुटिजाइपल
मांहि ॥ ८७ ॥ संतदासइसदेह
का मोहिन्नरौसाणेह ॥ बौदो
तजतनकरिराषीए ॥ अतिछू

टैगीऊषदेह ॥ ७८ ॥ संतदास
इसदेहका ॥ बणीयारोहब
णाव ॥ पांणीहंदाबुदबुदा ॥
ताकी किती इकआव ॥ ७९ ॥
संतदासनजिरांमकुं ॥ पोङि

बणीसबषोट॥ कौहौकांहां
लगवहराईऐ॥ पांणीहंदी
पोट॥ ६० ॥ नाचैसुदरिदेहर
हौ॥ नावैरहौकुचील॥ अति
बिणसैगीसंतदास॥ कोई

कदमकीढील॥ ९१॥ गिर्ता

करिने न्हासंतदास॥ जेता

दमघटमांहि॥ एतांचुगत्यां

चुगत्यांछूटसी॥ घटेबधै

कछिनांहि॥ ९२॥ माछरजे

८०

ही

हासंतदास। है तेराकंनमां

न॥भंतिपरहै होइजाइगा

काहेकरै गुमांन॥ एंद्र॥ जैसें

चहरा अगनिका। होइ झल

पटबुझिजाइ॥ ऐसैं देहासं

तदास ॥ देषतजाइ बिलाइ
॥४॥ काची इस औजूदका ॥
चहरादीया बणाइ ॥ अदलि
पकुचै संतदास ॥ तब रहैन
राष्याजाइ ॥ ॥५॥ संतदास

नरदेहका ॥ पड्यंचदीया

बणाइ ॥ जैसैं काचा नां

मागारिका ॥ जललागां

गलिजाइ ॥ ऐहे ॥ सांचा

रांमबिसारीया ॥ काचाधा

९२

रिसरीर॥ बिणसिजाइ

गासंतदास॥ आजिकालि

मैबीर॥ ६७॥ पाच घडी आ

धीघडी॥ घडीपहरआठ

जांम॥ जोकुछिबरौंससं

तदास ॥ कही ऐके वलरांम
८६ ॥ रांमन जनबिनिसं
तदास ॥ दूजी करत गया
इ ॥ जामें सासा नीकसै ॥ सो
जमकै लेषे जाइ ॥ ८७ ॥

रांमरांमकहौसंतदास॥ तो
हिकहूं समझाइ॥ चेतन
देहीपाइकरि॥ मतिअचे
तहोइजाइ॥१००॥ बौहो
तादमडगलाइकरि॥ चु

एताहैगढकोट॥ पलमैंमा
रितुतारसी॥ जमजालिम
कीचोट॥१६१॥ देषादेषी
संतदास॥ ऊंचाकरत
अवास॥ न्हचैऽसग्रोज

दिका॥ होइ मुसांणांबास
१८२॥ मायारांम कीसंत
दास॥ नह चैन हीतेरी॥ मे
रीमेरी करतही॥ होइगाइ
हारूंकीढेरी॥ १८३॥ हेमु

तिंदी एणी माईयां ॥ कोहो हे
कोहो कुछि राम ॥ दिनां च्या
रि कीमह कहे ॥ पीछें बिएण
सिजा डगी चांम ॥ १०४ ॥ दे
हफ दलि होइ संतदा स ॥

अदलिपकुचैन्साइ॥का
रीकोइलागौनहीं॥जैको
टिककरैनपाइ॥१०५॥जां
हांतांहांसेतीनदिमकरि
त्पावैनहीकुमाइ॥चैन्नं

मा लागै संतदास॥ बैगास्
ताषाड़॥१०६॥ माया कौ
अंग॥ माया संगि न्याती न
हीं॥ नरी न काहू बाप्य॥
राजा पिरजा संतदास॥३॥

गयापसास्योंहाथ ॥१॥ मा
याब्रसिसंसारहै ॥ नैंकन
जाणौंदेह ॥ जैकोई न्हासै
संतदास ॥ तौबांहांऊपटि
करिलेह ॥२॥ मायाप्या

री जगतमैं ॥ साधांप्यारारां
म ॥ भ्रंतिहोइगा संतदास
आसा जांहांबिसराम ॥ ३ ॥
मायादासी संतकी ॥ आवैष
रचैषाइ ॥ बैंहणनांणजी

जगतकी॥ पडदैरषैलुका
ड॥ ध॥ कौफीकौफी जोडतां
जुडिगाईलाष किरोडि॥
सकसपद्दंतासंतदास॥ ली
धीसंफिमेरोडि॥ प॥ मायाकं

धोकासंतदास ॥ जबतब
पकुंचैत्र्याइ ॥ राजऋके
कैंजलिबुझे ॥ कैंकटके
चौरलेजाइ ॥ ६ ॥ लगीज
गतकूं संतदास ॥ माया

होइ चुडैल ॥ रांममंत्रसूं
ऊरै ॥ हूजा नही तुगेल ॥ ७ ॥
॥ साध को अंग ॥ संतदास
ऐसंत जन ॥ है बावली षु
दाइ ॥ रतनन्ह मोतिकदे

तहै॥ रंकहाथिपकड़ा२

१॥ सतपुरसांकैसंतदास

षांनिषुलीघटमांहि॥ हीरा

फिरैनुछालता॥ वैटटपूं

ज्यानांहि॥२॥ संताकावा

जारमैं ॥ कोईगादिकपूछै
आइ ॥ तोरांममिलणका
संतदास ॥ सौदादेहबणा
इ ॥ ३ ॥ सुरतिमिलावैसब
दसूं ॥ पकडैचौथापद ॥ 

संतदासववासंतकूं ॥ यांही
हैबैकूंट ॥ ४ ॥ मायाकागा
हिकसंतदास ॥ मिलताहै
सबकोइ ॥ जैकोईगाहि
कनांवका ॥ मिलैतौसौदा

९०

दोहा ॥ ५ ॥ संतदाससंतांत
लौं ॥ रांमबसैमनमांहि ॥ बा
हिरिकाढिदिषाईऐ ॥ सो
नाटिकचेटकनांहि ॥ ६ ॥
रांमनांवतारणतिरणा ॥

जासूं करीऐ नाव ॥ औरस
बै ही संतदास ॥ गरिबां लों
का दाव ॥ ७ ॥ धनवंत कौ आ
दर करै ॥ निरधन कूं कहै
हरि ॥ साधन ही वै संतदास

हैकोईमायातणांमजूर ॥
८ ॥ संतदाससंतातणां ॥ ऐ
दोइबकासुनाव ॥ आयां
हरषनकपजे ॥ गयांनंही
आणावा ॥ ९ ॥ इनीयांकं

चाराजदे ॥ राजांकचासे
त ॥ संतांकचासंतदास ॥
जोएकोदीरांमक हंत ॥
१० ॥ बाचिकगपांनीको
अंग ॥ कथनीकापरबत

८२

कीया॥ऊवही ऊठ मिला

३॥धूवाका डूगास॥संत

दास॥पवनलगपाठ दूजा

३॥१॥अटकल आणऐक

रतहे॥ऊवही ऊठ मिला

३ ॥ जमके द्वारै संतदास ॥ जे नर बंध्या जाइ ॥ २ ॥ साध सबद बिचारि कैं ॥ आगैं हीं कहगए संत ॥ ताकै पीछै संतदास ॥ फिरि फिरि

८३

सिद्धाकरंत ॥ ३ ॥ साषी
प्रेमप्रकासकी ॥ छांनीर
हती नांहि ॥ जैतौन मिले
हीसंतदास ॥ कबिचतुरा
ई मांहि ॥ ४ ॥ कबिचतुरा

ई संतदास ॥ करताहै सब
कोइ ॥ साषी प्रेमप्रकासकी
पंक्तां बिनां नहोइ ॥ ५ ॥
सतपुरसांका सबदसुणि
सीषिकहै तहकोइ ॥ तां:

छि बिरांणी संतदास ॥ न
फाकां हां सं होइ ॥ ६ ॥ टेक
को अंग ॥ सुनि महल के
चढणा कूं ॥ नीसरणी इक
नांम ॥ अगल बगल कूं सं

तदास॥ कोईपचताहैबे
कांम॥१॥ धरअंबरबिचि
संतदास॥ नांव निसरणीं
ऐक॥ रराममांकीटेकस्रं
चढिगएसंतअनेक॥२॥

संतदासदेहधारिकरि॥ जो
देकरतादीदार॥ तोहीनां
वबिनांआवैनही॥ संतांकू
ऊतबार॥ ३॥ करताआइ
करिमुकतिकी॥ कोईक

है दूसरी औरा ॥ तो ही संतन
मांनैं संतदास ॥ ऐकररंका
र बिनि औरा ॥ ४ ॥ जा कास
बद सैं संतदास ॥ आसमां
न फटि जाइ ॥ नांव बिनां

संतांताणें॥ चौनहीआवेदाइ
५॥ करताकंचनकरिदेवै॥
धरतीअरअसमांन॥ तोहींन
मेरैसंतदास॥ इकरांमनांम
सांमांन॥ ६॥ साषी॥ २७६॥

अथस्वांमीजी श्रीरांम
चरणजी म्हाराजिकी बां
णी आणभैलिष्यंते ॥ प्र:
थमस्तुतिकाकिवत्त ॥
नमोरांमरमतीतनमो:

गुरदेवस्वांमी॥नमोनः
मोसबसंत्तनांवरटिलोए
जुनांमी॥जिनकेचरणे
हेठिरहोनित्तिसीसहमाः
रा॥तनमनधनअरमां

एकरूंनवछावरिसारा
रांमसंतगुरदेवबिनिन
हीऔरआधार ॥ रांमचर
एकरजोडिकैंबंदेबारू
बार ॥ १ ॥ नमोरांमरत्तीत म

९६

सकलव्यापकघणनांमी
सबपोषैप्रतिपालसबन
कासेवगस्वांमी॥करणां
मईकरतारकरमसबदू
रिनिवारै॥जगतिबिछल

ताब्रिडंदनगतितत्तकालि
नधारै ॥ रामचरणबदनक
रैसबईसनकेईस ॥ जग
पालकतुमजगतगुरजा
गजीवनिजगदीस ॥ २ ॥

आनंदघनसुषरासि चिता
नंदकहीएस्वांमी॥ निरा
लंबनिरलेपअकलहरि
अंतरजांमी॥ वारपारमधि
नांहिकंलएबिधिकरीऐसे

वांरपारमधिनांहिकंरण
विधिकरीऐसेवा॥नहींनि
राकारआकारअजनमां
अबगतिदेवा॥रांमचरण
बंदनकरैअलहअषंकत

२०१

एएं ॥ हरिगाथा अमरीक
रांमकेप्रीएजांएएं ॥ रांम
चरणबंदनकरैमायाम
निअहलपतिरहे ॥ क्रिपारां
मकलिप्रवतरेजीवनि

प्रमद्दरसएलहे ॥५॥ अ
थग्रंथचिंतामणी लि
षते ॥ स्तुति ॥ रमतीत
रांमगुरदेवजी ॥ फुनिति
हूं कालकें संत ॥ जिनकूं

रांमचरणकी॥ बंदनबा
रअनंत ॥१॥ ग्रंथ। डल
॥ प्रथमबंदनगुरदेवकूं
कुनिअनंतकोटिनिजसा
ध॥ करूंऐक चिंतावणी

चौ: बांणी बिमल अगा
ध ॥ १ ॥ बंधे स्वादरस जो
गसैं ॥ ३ ॥ च्यातणै अरपि
ज्ञत जीवनके चेत बे ॥
करू चिंतावणि ग्रंथ ॥

र॥ रामचरणानुपदेस
दित॥ कहुंग्रंथबिस
तारि॥ पस्योप्राणानव
रूपमें॥ सोतिकसेत्र
रपविचारि॥३॥ चांम

२०५

छंद ॥ दिवांनां चेति
रेन्नाई ॥ चुकि सिरराज
बचलित्राई ॥ जुराकी
फोजअतिन्नारी ॥ करैत
नरू टिकैं पुकैं वारी ॥१

सांई बेगि अपणां ध्याइ ॥
पीवै जुरा दा बेश्राइ ॥ त
जि संसार का सब धंध ॥ ए
तो सही जम का फंद ॥ २ ॥
अब तत राम रस नां गाइ ॥

बीतौजनमन्म्रहतौजा ऽ ॥
तेराजनमकीसुणिम्रादि॥
मंरिषषोईऐनहीबादि॥३
पाईऽलिजमिनषादेह॥
म्रबहरिसुमरिलाकालेह

१०६

गाफिलहोइमतिभाई॥ओ
सरिबोहोरिनहीपाई॥४॥
दूहा॥ बौहोतकसटकरि
पाइयो॥मिनषजनमओता
र॥ताहिसुफलकरिलीजी॥

ए॥ नजिकें सिरजणहार॥
१॥ नरतनकंसबसुरनुहै॥
ब्रह्माकरतकुलास॥ रांम
चरणयासंकलहै॥ ब्रह्मग्यां
नपरकास॥२॥ चांमरछंद

२०

परपुरम पित्ताके घटिजाइ

इती ऐमातकै ग्रन्नि आइ

धरीयौनी तकै संगितो हि

तामैं बौहोतन्नि सटाहो इ

१॥ ऐसा ग्रनकाकरूंनुष

तामैंरती नांही सुष ॥ अंतार
सौंलूं लिपटाइ ॥ नांही सारा
लीयौजाइ ॥ २ ॥ कैंधै सी सिंव
रवैंपाव ॥ जठराअगनिकौ बौहो
ताव ॥ तामैंक्रिमिच्चूं द्याषाइ

जो हांतं रहौ हरि कं ध्याइ ॥

३ ॥ अब तं कादि साई मो हि ॥

तिस दिन बीसरूं नही तो हि

यो ३ जब बौ हो त्तहै न्हारी ॥ अब

मैं सरणि हूं थारी ॥ ४ ॥ ना दि ॥ २०८

नपितानांहीमाइ॥कासं क
है ज्ञुषसमकाइ॥जादिमनांही
नाई बंध॥नादिनसगानही
मनमंध॥प॥जादिनऐकदीनां
नाष्य॥नाबिनिश्चौरनांहींमा

२०५

५ ॥ अब कै काढि मोकूं देव ॥

निसदिन करूंगो हूं सेव ॥ ६

तुझ बिनि आंन जाचूं नांहि

राषूं सुरति तुझि ही मांहि ॥ मैं

तो बचन कौ सांचो ॥ मुझि परि

महरिकरिबांचो ॥१॥ दुहा ॥
गरबकौलकागकीया ॥ जी
वदांनदेमुकि ॥ आवपहरचो
सटिघडी ॥ सांईसुमरूंमुकि
॥१॥ आवपहरसुमरतरहूं ॥ सां

ई सा सें स सि ॥ अरजकरूं

करजोड़िकें ॥ मेटोरांमत्तिरा

स ॥ २ ॥ रांमच्चरणसंकटप

ड्यां ॥ जीवकरैसबफादि ॥ र

चेककबरूसुषलहै ॥ तोब

चनजाइसबबादि॥३॥ चौं
मरछंद॥ अबतैंजनमली
यौंआइ॥ तादिनकसटञ्र
भिकौपाइ॥ जेसैंजंत्तीका॰
धौंतार॥ तादिनलहीपीडञ्र

पाय॥१॥माताग्राईअपोझलि
निकस्योरुरुकैसंगिझलि
झल्योएकपड़ामांहि॥अ
वहरिचीतिआवैनांहि॥२॥
वधावाबापकैगावै॥कहूबी

बौहौतसुषपावै ॥ नांन्हौंपाति
कैऊल्यौ ॥ अंतरिगतिथांणी
केल्न ल्यौ ॥ ३ ॥ बारणिबैगिश्रा
ईचालि ॥ घरिघरिबंधैबांदर
वालि ॥ बधाईनेवगीपावै ॥ न

२२१

तौदिनआजिकौजावै ॥४॥ म
चादूंठलेआई ॥ स्वारथिआ
पकैधाई ॥ नतीजोगोदिमैं
लीन्हों ॥ हिरदौप्रेमसंजीन्हों
॥५॥ फलीहैसाघअबम्हारी

करैछी आसरूपारी ॥ तैसपूं
रूकतीऊँटी ॥ सरीरांसबत्त
सीमोटी ॥ ६ ॥ ऐसबस्वारप्योहै
मित्त ॥ अबत्तैंदीयो इनसैं चि
त ॥ इनकीगोदिमैंबैठे ॥ हाथपूं

२२३

हाथिमैंफेलै ॥ ७ ॥ पीवैमाडू
कौत्रबषीर ॥ जासंपुसटिहै
ड्सरीर ॥ जननीदेषिकैंजी
वै ॥ नहींमनत्रोरसंपीवै ॥ ८
चरणांचालबालगो ॥ फि

रै घर ञ्चांगें ऐं न्हागो ॥ रमैं जाइ
बालकां के साथि ॥ तकडी गे
मीये गहे हाथि ॥ ६ ॥ अबकु
ठि बाप संगि चाल्यो ॥ अपणां
किसब मैं घाल्यो ॥ कीया हैबा

१२६

कु कासा जा ॥ बाजे आंगाणैं
बाजा ॥१०॥ सब मिलि कीयै
अैसो मंगल ॥ बांध्यो ग्रिह उप
को मंगल ॥ ऊतह निजांती आ
ऊ ॥ निसदिन चित मैं चाई ॥११॥

॥ दूहा ॥ बरसचंद्रदसकौ ॥
भयौ ॥ अबतरणांपाकीबेस
तरणीसेतीमनबंध्यौ ॥ नहींन
गतिपरवेस ॥ १ ॥ बालपणांरषो
यौष्पालमैं ॥ तरणअंधरीबेस

रांमचरणगुरग्यांनकौ ॥ लगै
नहीउपदेस ॥ २ ॥ बालकबु
धिउपजीनहीं ॥ मातपितासूं
हेत ॥ षांनपांनरुचिपाइकैं
हरिसंनयौअचेत ॥ २ ॥ चौ

मरछंद ॥ कीयोनारिसंभ्र
बहेन ॥ मातापिताकूं उपदे
त ॥ चाल्लैआपगोंजोरै ॥ तरणी
चितकूंचौरै ॥ १ ॥ कागोरू
लाएं नावे ॥ ढी लौदा इनहीं

२२६

आछै ॥ बांई पाघडी बांधै ॥

पलादो इलट कताकांधै ॥

२ ॥ ३ पटौ केसरयां कीयो ॥ प

टकौ कमरि कसि लीयो ॥ ब

नाती मोचडी पहरै ॥ सादी

औरकी चहरै ॥ ३ ॥ मेल्है धम
किधरएंीपाव ॥ बागोंबाव
डग्राम्मतिचावै ॥ कसंबाघो
टिकैंपीवै ॥ अमल बिनिपल
कनहीजीवै ॥ ४ ॥ नारीपार

कीतांके॥नैंणांकसरकीफां
के॥औसौच्यंथवेईमांन॥की
योकांमनांहेरांन॥५॥छाया
निरषत्तौचाले॥बाचागरन्न
कीपाले॥नागरिपांनसंत्राति

जोष॥ बीडी लीयांपावैपोष

ह॥ मूंछां अधिक अणीया॥

ली॥ जुलफ्यांसो कै ती काली

सं धा अंतरसली न्हीं॥ बीदी

भालपरिदी न्हीं॥ ७॥ हलाचै

कांनमैंमोती॥गिणैंनहीदू
बलागोती॥करकीआंगल्यां
बिंटी॥गलामैंमादल्याकं
वी॥ ८॥न्यारोबापस्यंहोई॥
तरीयापुरषरहैदोई॥माया

सरब है मेरी ॥ हवेली षो सि
रयूं तेरी ॥ ए ॥ सनेही सासरया
जावे ॥ कटूं बीदेषि ङषपावे
माता पिताकं दे गारि ॥ बोले
नहीं सबद बिचारि ॥ १० ॥ ति

१२५

सनांत्लोजनकीअतिलाइ॥ध
नकंफिरैचक्रुदिसिधाइ॥
कांमीकुटलमुतिकोहीए
मरिषबिषेंमैंपरबीए॥११
हरिकोनामसुमरेनांहि॥इ

सन्निधिजनमन्त्रमहल्लोजांहि।
बाचागरज्ञकीन्हल्यौ॥सुष
संसारकैफल्यौ॥१२॥करै
नहींनारिकंतप्यारी॥हिरदै
बसिरहीप्यारी॥कोईन्नाग

तिकी नाषै ॥ तासूं बैर करि
राषै ॥ १३ ॥ दुहा ॥ रांम न जा
ति जांणें नहीं ॥ करमां सूं कूं
सीयार ॥ ऐह तरण तन अव
सत्ता ॥ बोवै काली धार ॥ १ ॥

बरसपचीसांपरिन्नयो॥ अब
जुवांनीकाजोर॥ सुत्तकंन्यां
संहितकीयो॥ निजरिनआ
वैओस॥२॥ चांमरछंद॥
पचीसांकपरैंरूवो॥ करमो

हैतिपचिमखो॥अपरांग्रि
हैकौसांसौ॥नजांणैंनगति
कौत्रासौ॥१॥धनकीचातु
रीजांणौं॥निंदानांवकीठां
णौं॥राषैजगतकौनातौ॥तौ

डउ॥जांवकौतांतौ॥२॥जुवांनी
जमकीदासी॥ छीयांकरिबि
षैकीपासी॥कीयाबसिजीव
घेरैघाति॥नहीकोईसकै
जुवांनीपाति॥३॥मूरिषबि

षेसंरातो ॥ फिरघरधंधमैंना
तो ॥ हरिकीबातनहीजावे
साधूदेषिजलिजावे ॥ ध ॥
ञ्रपणंस्वारथ्थांरूडो ॥ हरि
कीजगतिसूंकूडो ॥ करे

नहींसाधकोसंगा॥ अंतरग
तिजगतकोरंगा॥ ५॥ मेरेक
बीलोनारी॥ मोबिनिहोइस
बघुचारी॥ मेंतोसबनकोप्रति
पाल॥ न्यासेनहींसिरपरिका

२२३

ला ॥ ह ॥ करतां करम सब दि
न जाइ ॥ सुपनैं सुख नांही पा
इ ॥ लीयौ सब आपणौं सिरि
भार ॥ कबीला चलनांही ॥
लार ॥ ७ ॥ रू गैमोहो बांधे

कोइ ॥ तेरे देषतां सब जां हि ॥
तेरो बाप कां हां नाई ॥ इस बे
धि छौ कित्तं आई ॥ ८ ॥ सांचौ
सार है एक राम ॥ ता बिनि ज
गत सब बेकाम ॥ जोबन पां

कुमोंनाई॥ दिनदिसदेषता
जाई॥९॥ काचाकलीकासा
रंगा॥ जोबनजगातिपाईजं
ग॥ बुढापोसीसपरिआयो
जोबनदेषिपिररायो॥१०

सबही लूटि लेसी माल ॥ क
रसी बुढापो बे काल ॥ क टूं
बीकार नहीं मांनें ॥ तरीयां सं
कनही आंनें ॥ ११ ॥ दूहा ॥ चा
लीसां केन परैं ॥ बिधि औ

२२५

सताहोइ ॥ चिंता चितकं ग्रा
सि है निसदिनि बाढैसो इ
१ ॥ अमरबेलि जूं ब्रिछ को
चं सिलीयो सब तंत ॥ रामच
रणायं जगत को ॥ लीयो क

बीतैअंत ॥२॥ चांमरछंद

॥ अबतौचेतिरेअंधा ॥ घर
कांफेरीयाकंधा ॥ नारीकरै
नांहीनेह ॥ सुतकाचारणं
नितिलेह ॥१॥ तनकौघटि

२२६

गयौजौरौ ॥ नींयांसरवक
हैजौरौ ॥ बेटाबोलमांनैंनां
हि ॥ कठेकलपनांमनमांहि
२ ॥ तनकीतुचासलपडीया
नैएांनीरत्र्प्रतिफरीया ॥ प

लद्याास्यांमसबहीकेस ॥ सौतो
मुकलकुवाल्तेस ॥ ३ ॥ माथौ
हालतौंलाजो ॥ कराकोजोर
सबलागो ॥ पगांमेंपडतहेआं
टी ॥ होइगईदेहतीघांटी । ४

श्रवणांसुणैंनांहीबैंण॥सू
झैझांतलौसौनैंण॥बाचाबी
कनहींबोलै॥मनसापडिग
ईझोलै॥५॥मुषमैंदांतनांही
रूठ॥देहीषडंषडेंसबहारू

जगराज्ञगनिनी जागी॥ बमा
की षुध्यानहीं जागी॥ ६॥ मौज
नस्वादिनहींलागे॥ मूरिष
रोड़ रोड़ त्यागे॥ घरमैं कुक
मचालै नांहि॥ चुगलीपाड़

पंचामांहि ॥७॥ बेटांकर :
कडी कीन्ही पटोली पोति
मैंतीन्ही ॥ मरिन्ही जाइ नहीं
फाकी ॥ न जांण्णं किता दिन :
बाकी ॥८॥ प्यास्यां जल नहीं पा

वै॥ बैगण ढिगि नहीं आवै॥ क
रिहैं कलपना नारी॥ सब कूं दे
त है गारी॥ ए॥ छोरा हासि करि
नागो॥ जिन कों फो करो लागो
नहीं कोई साहि कों करता॥ ८

दिवि धिआपदान्नरता ॥ १०
फाटोगुदड़ोदीयो ॥ नुगतैश्रा
पणंकीयो ॥ धणीकी चूकहै
नारी जासंजनईहेषुवारी ॥ ११
बाचाचकीयोअगपांन ॥ की

यो जां हिरदै हरि को ध्यांन ॥ बोलै
ग्रन्थ मांहीं बोल ॥ नीसरिनि ली
यो सब कोल ॥ १२ ॥ कहूं बीत्रा
पणां कीया ॥ बुढापै हरि करि
दीया ॥ झाडे षाट मैं जावै ॥ ज्म

साडुषनजननबिनिपावै॥१३॥
अबतोनईपूरणआवै॥ज
मकेहूतिघातमोघाव॥आ
योसांवरोसाध्या॥नहींदोइ
च्यारिकीबाता॥१४॥आवत

यौ नां हिरदै हरि को ध्यांन ॥ बोलै ग्रन्थ मांही बोल ॥ नीसरिन्ह ली यौ सब कौ ल ॥ १२ ॥ कहूं बी त्रा पणां कीया ॥ बुढापै हरि करि दीया ॥ झूठै पाट मैं जावै ॥ न्म

साउषन्नजनबिनिपावै॥१३

अबतौजईपूरएआवे॥ज

मकेहतिघालौघावे॥आ

योसांवगोसाथ्या॥नहींदोइ

चारिकीबात्ता॥१४॥आवत

देषिबिल्लायौ॥ भयौजम
दूतकौन्हायौ॥ बुलावैआप
एंनारी॥ धरीतंनांवतीम्हा
री॥१५॥ बुलावैसैंनिस्संपत्ता।
नीयोमोहिपकडिजमदूत्ता॥

करौकोईसाहित्रबम्हांकी
करीछीबेठिमैंपांकी ॥ १६ ॥
ऋषमैंनिकटिनहीआवै ॥ टलि
टलिहरिहोइजावै ॥ गलटी
करैसबहांसी ॥ षडैरोहोबो

हौन ऊषपासी ॥१७॥ जोबनकी
याकरमरषोट ॥ तातैं सहजम
की चौट ॥ पासीपड़ीगलकैमां
हि ॥ तौ भीमौहौछौफैनांहि ॥
१८॥ जमकारु चलेगयामारि

पकंच्यौ भरमकै दरबारि ॥ क
ड़ूबापालयो आयो ॥ जिनिह
रिनांव बिसरायो ॥ १९ ॥ दुहा
पकड़िहूतजमलेगयौ ॥ राबि
सक्योनहीकोइ ॥ रांमचरण

फ़ चौजगत्त। अंतिरहासब
रोइ॥१॥ चांमरछंद॥ अब
तोमरिगयोपापी। राख्योरैंणि
मैंछापी॥ गांमैंफ़रन्नयोत्थारी।
लागेरैंणियाबारी॥१॥ कहूं

२३३

बीकपटसंरोवै ॥ हिरदैत्र्प्राधि

कसुषहोवै ॥ मिट्रोहैत्र्प्राजि

ङषन्नारी ॥ निसदिनकाढतो

गारी ॥ २ ॥ राषीरोकित्र्प्राधीपो

ति ॥ नजलकरोतीपिरधोति

हमारैश्राजिअतिहीसुष॥ बू
दौलेगयौसबदुष॥३॥याकूं
बालिश्रावौबीर॥ लागीछो
तिअधिकसरीर॥पीछेंनी
रमैंन्हाया॥दिवालैहोइकरि

२३८

आया ॥ ४ ॥ दुहा ॥ जीवतऐ
ता कुषलता ॥ बिना नजपांन
गवंत ॥ अबचौरासी जूंणि
मैं ॥ भुगतै कसट अनंत ॥ १ ॥
काहाकहूंयाजगतसूं ॥

मानैंनहीलगार ॥ सबहीदेष
तजातहै ॥ भजनसिरजनहार
२ ॥ मुषफेरैहरिन्नगालिसं ॥ सु
नमुषिरहैसंसार ॥ रांमचरणा
वैमांनवी ॥ फूलैनरकिमंका

रि ॥ ३ ॥ चांमरछंद ॥ कहंत्र

बनरककाबकुन्नेद ॥ तामैं

जी वपावैषेद ॥ असटाबी

सकुंकन्नारी ॥ कुलैअधम

नरनारी ॥ १ ॥ प्यांनासारकाता ॥ २३५

ता॥ तिनसंतनरावैबापा॥ २
सौतंनारिसंतनपटाइ॥ सौत्र
बपंन्नभेटोत्र्याइ॥ २॥ सित
तारुजकीबोहोधार॥ तामै
बहेजीवभ्रपार॥ कांटासा

रकासरला॥ तापरिचालिरे
न्हला॥३॥ हरिकीरादानहीं
चालयौ॥ गुरकासबदकूंपा
लौ॥ तासूंचलौकांटांमांहि
यो नृषमिटैकबरूनांहि॥

४॥स्वारप्पिहेतिकीयापाप॥ना
सं नरककीबौहौत्तताप॥हंस्पा
बौहौतकीन्हीबीर॥बदलैस
हऊपसरीर॥५॥हरिकीसुंणी
कीरत्तिनांहि॥सीसोहुलैम्म

ध्यांमांहि॥ रसनांरामनहीं
गायौ॥ बिसहरजीभिलटका
यौ॥ ६॥ हिरदैध्यांननहीधास्यौ
अंतरिरोगबिसतास्यौ॥ कर
सूं कीयौसुक्रतनांहि॥ गोला

दीयाव्हायांमांहि ॥७॥ कीयो
नहांसाधकोदीदार ॥ निजरूपं
मेषमारैसार ॥ दरसणजातत्र
सलाकचो ॥ बेलूं तपतिमैंन्हा
ष्यो ॥ ९ ॥ ७षत्तोबोहोत्तहैन्नाई

कोहां लगा कहूं समझाई ॥ क
हैत्तां बोड नहीं आवै ॥ त्रषको
पार नहीं पावै ॥ ९ ॥ डहा ॥ ल
ष चौरासी जुगतत्तां ॥ बीतिजा
इ जुग च्यारि ॥ पीछैं नरतनपा

३ ग॥ तातैंरांमसम्हारि॥१॥
रांमरांमरसनांरटौ॥पालौसी
लसंतोष॥दयाल्लावेबंम्पांगो
हो॥रोहोसकलनिरदोष॥२
योरूवौसंसारहै॥रूषक्कूंब

कोहेत॥ ऊचेंम्रिघजलक्षा
स्कैं॥ म्हलौमहंतअचेत॥ २॥
चांमरछंद॥ अबमैंदेकुंऊ
गबताइ॥ सुणीयोप्रीतिसंऊ
चितलाइ॥ दीसेदिसटिमैंजेता

नेमबजांहिगेतेत्ता॥१॥रहैनहीं
बिसनब्रह्मामहेस॥नहीरहै
मेसऊनरेस॥रहैनहीधरणि
अरआकास॥जासीमेरमंऊ
कवलास॥२॥रहैनहीरहैसि

२८०

त्नतसागरसात ॥ नंही घरिसर

सिसंकुसलात्त ॥ नंहीरहैपव

नपांणीबीर ॥ ऐसबन्नअघरि

नांहीपार ॥ ३ ॥ नंहीरहैमेघमा

ला इंद ॥ षासीकाल करिक

रिछंद॥ नहींरहैधरमधरमका
पूत॥ जासीमाइमाकापूत॥४॥
जपजपाजांहिसबहीबीति॥के
ताकहूंकरिकरिचीति॥संम
झेसैंनिमैंस्यांणां॥नजांणैंग्रंथ

तिजगपांनां ॥५॥ कांहांसिंघास
कुहाछत्रन॥ कीधौमछ्छहो
डूनिरखलन॥ कांहांगिरमेर
करमजुष्यौ॥ धारयौपीठिसा
इरमथ्यौ॥६॥ कांहांहरनाकि

धरनींहरी॥ जाहितिदेहबारा
हाधरी॥ मार्यौअसुरकीन्हौं
नास॥ मेटीधरतरीकीत्रास
७॥ कांहांहरनाकिहरिस्कूजौ
ह॥ कीयोपुत्रसंभ्रतिबोह

जबहरिधर्यौनरहररूप॥
राख्यौजगतमार्यौजरूप॥८॥
बलिकैधर्यौबांवनरूप॥
जिगमैंआइजाच्यौजरूप॥सो
पातालिमेंदीन्हौजांहि॥जरूप

रिनिजरिज्ञावैनांहि ॥ ऐं ॥ जो
धाऐकसंसरबांहां ॥ नित्तिहै
चलैछतरछांहां ॥ जाकौअ
धिककहीऐजोर ॥ वासंमिहू
सिरौनहीऔर ॥ १० ॥ धरीयोबि

परकौअवतार॥ ताकंमारि
कीयोषुचार॥ कांहारेलंकको
राजा॥ जाकैकनककाछाजा
॥११॥ षाईसंमदकचनकोट॥
मारयौकालिऐकैंचोट॥ लीयौ

मारिकैंरूघनाप्पि॥लंकाचली
नांहीसाप्पि॥१२॥रहौनहींकं
समुपरामल्ल॥मह्लांबैठिक
रतौह्ल॥जाकूकिसनल्तीन्हों
मारि॥अबमैंकहतहूंपुकारि

१३ ॥ सबहीगयामारणाहार॥
भरीयादेहसबश्रोतार॥ जा
सादेवअरदांणां॥ नहरहसी
रंकअरराणां॥ १४॥ कवासो
कलिगयासबही॥ जासीहो

ङ्गात्मबही॥ बहत्तापुरसत्तं
कुछिनांहि॥ रहैताधारिहिर
दामांहि॥ १५॥ रहैत्तारांमहैरम
तीत॥ नजीएदेहकागुणजी
त्ति॥ त्तेरीदेहन्नीपरिनांहि॥ बि

२८५

नसैदेषतांपलमांहि ॥ १६ ॥ या
मैंपांचअपरबलजोध ॥ जाकुं
गपांनदेपरमोध ॥ नातोत्तीनसं
मतिजोडि ॥ अबततपचीसांसं
तोडि ॥ १७ ॥ गुरकागपांनकीस

मसेर॥ कीजेसबलबैरीजेर॥
इनकूंमारिरेंजाई॥ सुमरौरां
मसुषदाई॥ १९॥ नदीकोईरां
मबिनितेरा॥ रूगजगतउर
ऊेरा॥ नवसंनेहमतिराषै॥ ऐ

इतोहिगरलमैंनांषे॥१९॥
बंध्योबासनांकेहेति॥तातेंज
नमफिरिफिरिलेत॥निसदि
नरांमकूंगावो॥जांमएमरए
नहीआवो॥२०॥जनसूबा

सनांजलिजाइ॥ ६ ॥ जीनहींश्रो
रनुपाइ॥ अबमैंकहीहैगुणि
तोहि॥ हिरदैधारिचेतनहोइ
॥२१॥ रसनारामकंूरटीऐ॥ स
तगुरसरणिंहींगहीऐ॥ सासा

१८१

जीवकासबजाइ॥रहैसीब्र
ह्मपदसमाइ॥२२॥दोहा॥
ऐहचिंतावणिग्रंथसुणि
हरिसूंकरैसनेह॥रामचर.
णसाचीकहै॥फिरिधरैनदे

जीदेह ॥१॥ रांमचरणन्नजि
रांमकूं ॥ छंफि देहादिकपिर
वार ॥ ऋग्‍ातजिरचिसाचसू
तौळहैजममार ॥२॥ रांमच
रणन्नजिरांमकूं ॥ संतकहै

संमझाइ॥ सुषसागरकं लीं
किचैं॥ मतिछीलरिदुषजा
इ॥३॥ सोरठा॥ धरीयादि
ककलिजाइ॥ सबदब्रह्म
नांहीकंलै॥ रामचरणरति

द्वि॥ चौरासीको भेटलै॥१॥
चौरासीकी मार॥ भजन बि
नां छूटै नही॥ तातें होइ कुंसी
यार॥ ऐह सीष सतगुर कही
॥२॥ इती ग्रंथ चिंतावणी॥

संपूरण॥दुहा॥२५॥चां
मरछंद॥१००॥सोरठा॥
२॥सरबसबद॥१२७॥
ग्रंथ॥१॥अथसाषीगुरदे
वकोअंगलिष्यते॥स्तुति

स्मतीतरांमगुरदेवजी॥कु
नितिहूंकालकेसंत॥जिन
कूंरांमचरणकी॥बंदनबार
अनंत॥१॥अंग॥स्वांमीजी
श्रीसंतदास॥जिनकेकिरपा

१५०

रांम ॥ रांमचरणताकीसरणि

सत्यामनोरथ्यकांम ॥ २ ॥ रांम

चरणकासीसपरि ॥ स्वांमी

किरपारांम ॥ जिनका हितप

रत्तापसैं ॥ मनपायाबिसरांम

३॥ क्रिपारांमकलिब्रिछहै
जैकोईसरणैंजाइ॥ जाकै
जैसीभांवनां॥ तैसाहीहोइजा
इ॥ ४॥ संतबिराजेदांतडै॥
सरणाईप्रतिपाल॥ रांमचर

एकै उरि बसे ॥ किरपारांम
दयाल ॥ ५ ॥ रांमदरघेदांत ॥
ड्रौ ॥ बोहो जीवनकूं बिसरां
म ॥ तपति मेटिसी तलकरै ॥
स्वांमी किरपारांम ॥ ६ ॥ ऐसी

कोईनकरिसकै॥ सोसतगु
रसंहोइ॥ रांमचरणगुरगार
ड़॥ सवबिषफारैधोइ॥१॥
नौकानांवबणाइकैं॥ संतक
रैव्यवपार॥ रांमचरणजगानां

२५२

चढै॥ तातें कूं फै धार॥ ९॥ मन गुरबरसै पाइ इ जपूं॥ उबध्या रषीन को इ॥ जैसी साषा नी पजे॥ तसी मोमि का होइ॥ ए मोती निपजे सीपमें॥ के ति

कपूराहोइ ॥ रांमचरणोंहि
स्वांतिका ॥ जहरसरपमुबि
सोइ ॥ १० ॥ घमंकिघमंकिघन
बरसीया ॥ रतिबिनिषालीषेत
यूंरांमचरणगुरक्याकरै ॥ जो

सिषहोइअचेत ॥ ११ ॥ रांम
चरणसतगुरसाहा ॥ पंजीबक
सणहार ॥ करैकुमाईरैणिदि
न ॥ तौसिषहोइसाहूकार ॥
१२ ॥ सतगुरसं धनपाइकरि ॥

धरिराषै घरमांहि ॥ रांमचरण

दिनदिन घटै ॥ बध तो दीसै नां

हि ॥ १३ ॥ रांमचरण बीजक बि

नां ॥ जो घरमैं धन होइ ॥ पूरा

गुरदेव बिनि ॥ ततन नहीं पावै

कोइ ॥ १४ ॥ कीकरबीजअंक
रहै ॥ अजपासंगिकरगे ॥ यूंरांम
चरणगुरदेवमिलि ॥ हरिके
पदिपूगे ॥ १५ ॥ रांमचरणगुर
रांमगुण ॥ घातित्तराजदे षि

रंभबतावैरामजन॥ तातैंगरू
बसेष॥१६॥ दतनारदसुषदेव
से॥ औरसबैऔतार॥ रामचर
णगुरकूंकरै॥ बंदनबारूंबार
१७॥ रामचरणसतगुरमिल्या

१५॥

कीयान्नरमसबहरि॥ जितदे
षंतित्तरांमहे॥ रहासकलन्न
रफरि॥ ९८॥ रांमचरणसतगु
रदीया। चन्नबेदकानेद॥ ता
हिसाधिसुषीयानया॥ मिटी

पढ़णाकीभेद ॥ १९ ॥ सज्जनमि-
लीसतगुरमिल्या ॥ मिल्यान्भ
जनकान्नेव ॥ सबदयाइगापि
तरहै ॥ तौकाहाकरैगुरदेव ॥
२० ॥ अथसुमरणकोअंग ॥

रांमचरणकासीसपर॥ ऐक
निरंजणरांम॥ रातिद्यौसरट
बौकरै॥ नंही ग्रांनसूं कांम॥
१॥ रांमजनबितिगातिन
हीं॥ समकिमनबारूंबार॥

संमन्नजनसंलैटलै ॥ जामैं
फेरनसार ॥२॥ रांमरांमरसजं
रटै ॥ ३रिसतगुरकौन्नाव ॥ रां
मचरणातबपाईऐ ॥ हीरूका
दरीयाव ॥ ३ ॥ प्रथमसबदप्र

चणांसुणें॥रसनांरटणिलत
जाइ॥सुरतिसमावैसबदमैं
तबचित्तकीचितवनिजाइ॥
४॥सुषकासागररांमहै॥दुष
कानंजनहार॥रांमचरणत

जीऐनहीं॥ नजीऐबारंबार
प॥ रांमभजनकंन्हूलिकैं॥ चि
तलागेकरुग्रांन॥ ताबिरी
याकंसंतजन॥ जांणौंनरक
समांनि॥ ई॥ देहरहैब्रह्माक

त्तूप॥ सावधांनत्तामांहि॥ रांम
वरणवारांमसं॥ तौन्नीगुरण
नांहि॥ ७॥ सुमरणकीजेरांम
का॥ तजिकैमांनअमांन॥ रां
मचरणतबहीपुलै॥ घटमें

कैंचनषांनि ॥ ८ ॥ सुमरणकं
रीएरांमका ॥ सबसूं होइनि
संक ॥ संमद्रिष्टी होइ देषीए
काहारावकाहारंक ॥ ९ ॥ चो
रनलागेजागातां ॥ सूतांबचै

नकोइ॥ रांमचरणकहैरांम
कूं॥ भजतांकरमनहोइ॥१०
गुणततकीचरचाकरै॥सुम
रणलागेनांहि॥ रांमचरणस
मसेरबिनि॥ सुत्रनमास्याजां

हि ॥११॥ निजसरूप दरसै नहीं
जब लग रांम न उचारि ॥ रांम
चरण घर कूं लहै ॥ जो पंथ
मैं बैठै हारि ॥१२॥ सुमरण सा
सुषछा निकें ॥ मां कै रूणा को

ड॥ रांमचरणवाजीवकूं॥
नहीब्रह्ममैंगैड॥ १३॥ कांम
धरमअरथमोषिफल॥ रांम
चरणदेरांम॥ नहचामांहिन
जीकहै॥ कोईनजोकांमनहं

कांम ॥ १४ ॥ तीनपदारथ जग
तसुष ॥ चतुरथ संतबिलास
रांमचरण ऐनजनन धि ॥ जे
सीसेवगब्रास ॥ १५ ॥ मलीन
मंत्रकौ पाठपढि ॥ जरषबु

लावैबांम॥ रांमचरणसांचै
सबदि॥ कूंनहीआवैरांम
१६॥ सिरबंछ्यामंतरपद्या॥
कपड़ापटक्याहूरि॥ रांमच
रणजरपदौड़िकै॥ आयाबां

महजूरि ॥ १७ ॥ रांमसंत्रमुष
संपढै ॥ कनककांमनी त्या
गि ॥ मनकी भ्रांटी सब मिटै ।
तब रांम उठै घटि जागि ॥ १८
नांमां के न्यारी भयौ ॥ फेरो सि

लातिरात॥ रांमचरणसंम्रथ
करै॥ दोइ दिसाकुसलात
१८॥ लोकमांहिनारीसुंजस
फुनिफेरोपरलोक॥ रांमच
रणसुभरतसुबी॥ सोगीक

रैबिसोग ॥२०॥ बीनतीकौ

अंग॥ जैतुमत्यारौजगत्त

कूं॥ तौमेरीजीवनिनांहि॥

रांमनधारौपतितकूं॥ तौह

मप्रुसीरहैंमनमांहि॥१॥पं

तिनिवाजणरांमजी ॥ मैंजा
णयांतरमांहि ॥ रांमचरणप
तितांपतित ॥ पाछाफेरयातां
हि ॥ २ ॥ मैंअपराधीसाधीनहीं
हरिहरिजनसूंप्रीति ॥ अथ

मनधारणरांमजी॥ तजीनम्र
पणांरीति॥ ३॥ अथमनधारण
रांमजी॥ मैंजाणपांऊरमांहि॥
रांमचरणपतितांपतित॥ सो
पाछापेस्यानांहि॥ ४॥ मैंकि

तघणीकितबीसस्यो॥ गुण
तजिन्ह्योगुणालीन॥ न्हल्यो
रांमदयालकुं॥ उनीयांआगे
दीन॥५॥ गुन्हेगारबोहोजन
मको॥ षंनीबंधावांन॥ बंदेक

परिमहरिकरि ।। काटोबंधि
दिवांन ।। ६ ।। अदलिकीयांकब
रूनहीं ।। मुक्तिमेंगुन्हांअपा
र ।। रांमचरणकहैरांमजी ।। तु
मचूकनिवारणहार ।। ७ ।।

रांमचरणएकहैरांमजी ॥ मेरा
गुन्हांबिसारि ॥ पितापरदहै
पूतकूं ॥ तौजीवैकुणआ
धारि ॥ ४ ॥ तुमतोरांमदयाल
हो ॥ कछूचूकहममांहि ॥

रांमचरणमनऐकहोइ॥ तु
मसूंलागोनांहि॥ ऐं॥ नीडंा
सूं दूरानया॥ जबलग दूजी
आस॥ रांमचरणहरिकूंमि
लै॥ नांहीमनिबिसवास॥ १०

संमझ्यांकेराकरमहै ॥ जैसा
चीगमैंएण ॥ ब्रह्मअगनिबि
निप्रजल्यां ॥ षुलैन इमतबैं
एण ॥ ११ ॥ प्रेमजांहांलज्यानहीं
लज्याप्रेमनहोइ ॥ संककरै

संसारकी ॥ तोसांई मिलंण

नहोइ ॥ १२ ॥ अथबिसवा

सकोअंग ॥ अनपांणीकासो

चकया ॥ सबकूंदे करतार ॥

रामचरण बिसवासबिनि ॥

उधपावैसंसार ॥१॥ रांमचर
णअबराबीरे ॥ रांमतणौंइ
कतार ॥ चौसचराचरकूं दे
तहे ॥ तौनरकाकैसात्तार ॥२॥
रांमचरणबिसदासबिनि

नर दुषी या जगमांहि ॥ पंसू
पंषी करता बसू ॥ आपौ बांधै
नांहि ॥ ३ ॥ सारे सिरजणहार
के ॥ नर के सारे नांहि ॥ रांमच
रणतातैं रहो ॥ रांमरजा के मा

हि॥ध॥ ग्रिहको उषब्यापेन
हीं॥ जौराषेहरिबिसवास॥
रांमचरणलेआंसिरि॥ ताते॥ ५
नुगतैत्रास॥ ५॥ हांणिबृधि
जांमणमरण॥ नरकेसारेना

हि॥ जोनरकी बांदीबंदे है॥ तो
दूजौहरिहोइजांहि॥ ६॥ सिस
टिबागाजीव़ब्रछहै॥ बागवां
नकरतार॥ जिनरोप्यासोसीं
चसी॥ बंदा कयूंलेन्वार॥ ७॥

२६६

पालै पोषै गरभमें ॥ फुनि रहै
जांह्लांलगदेह ॥ रांमचरणता
हि छाकिकें ॥ आंननकरी ए
नेह ॥ ५ ॥ करताकरै इकसब
दमें ॥ अनंतकोटि ब्रह्मंड ॥

रांमचरणऐजीवसबा ॥ सदाउ
बीग्रिह्कंम ॥ ऐ ॥ सेवगरांमद
यालहै ॥ पोषैत्राहिरत्रंत ॥ रां
मचरणदूजासती ॥ दिनांच्या
रिकामिंत ॥ १० ॥ रांमचरणसं

२०

तोषमैं ॥ तीनलोककोधंन ॥
लोभीजन बिलसैनहीं ॥ को
ई बिलसेहरिकाजंन ॥ ११ ॥
न्हचाकोअंग ॥ रांमचरण
होतिबगिली ॥ रांवणकीर

जचार ॥ बिनिहोतिबतोकंद
री ॥ कोईमरैनमारणहार ॥ १ ॥
रिषतपसीमंनीजजां ॥ होति
बछोम्यानांहि ॥ तोनरबपडा
कीकाहाचली ॥ जेकलीया

मायामांहि ॥२॥ निजसरूपदर
स्यांबिनां॥ सुषीयाकैसैंहोइ ॥
रांमचरणएकगाढीपड्यां॥ नहचै
रहैनकोइ ॥ ३ ॥ क्याघरकाक्या
बारला॥ क्यागांवेंती लोग ॥

रांमचरणसबहीकरै ॥ नली
बुसतकौसोग ॥ ४ ॥ सोग कीयां
कुछिनासरै ॥ पडैग्यांनमैंझो
ल ॥ गईबुसतआवैनहीं ॥ मिलै
नषरच्यांमोल ॥ ५ ॥ रांमचरण

१३२

नजिरांमकं ॥ तजी॥ेहरषर
सोग ॥ रांमबिनां तिकुं लोकमें
रूगासबैसंजोग ॥ ६ ॥ नरआसु
रसुरसुरपंती ॥ तनधरबचैनको
इ ॥ सोगसयांणांसोकरै ॥ जोए

कैंहीमैंहोइ ॥१॥ समज्यासोही
जांणीये ॥ नुकतैरहैसुचेत ॥ रां
मचरणनुकतैबिकल्प ॥ सोम्हरि
षसदात्रचेत ॥ ८ ॥ बांसटिमुंनि
आश्रिमबंनि ॥ ब्रह्मग्यांनआधि

कार ॥ दई असी सरिषराजकी
कारण देषि बिकार ॥ ए ॥ तजि
ससतरनिरमत्तजयौ ॥ कीयौ
कंकवतजाइ ॥ बासटिमुंनि
तबबोलीया ॥ ब्रह्मरिषकेजा

द॥१०॥ पुत्र हत्यां गपजै पौनहीं
मोहोमांन अहंकार॥ देषौ ते
सोहीकहौ॥ लछि गपांनी तणौं
बिचार॥११॥ अबगपांनी कूं गा
रिदे॥ तोनलटी देवै पांच॥ राम

२२४

चरणस्वारपिबंधां॥ दरसैनां
हींसांच॥ १२॥ ब्रह्मनितिमाया
अंनिति॥ उपज्यासोनहीधीर
ऐसाग्यानबिचारिकैं॥ करौस
बदस्रूसीर॥ १३॥ हरषसोगदो

तूंगया॥ लसागपांनभरपूरि
होतबकीनहचैकरी॥ कपसु
षमेल्पाहूरि॥१४॥ करूंरछि
ककरूंमारीए॥ करूंत्रप
जिपूजांहि॥ एघटिबषिजा

घटिबसै ॥ सौसतिगपातानां
हि ॥ १५ ॥ बाहिरिनरमैंअगि
ता ॥ ग्यातअन्तरमैंनांहि ॥ सरब
बगिब्रह्मबिचारिकैं ॥ सम
तासुमरणमांहि ॥ १६ ॥ अथ

चिंतावणीकौअंग॥ राज
दुवारैसावतौ॥ कूंजरध्रणेसी
स॥ मिनषजनमकदियाइकूं
कदिनजिकूंजगदीस॥१॥
मिनषजनमकूंपाइकें॥ नज्यौ

नसिरजाणाहार ॥ रांमचरणावा 176
गेंदकौ ॥ निफरकीयौकरता
र ॥ १ ॥ निफरकीयौहरिनज
नबिनि ॥ नजयांसनरपतिहो
इ ॥ ऋपगत्तलिंकसीसपरि

च्चितधरिदेषोकोइ॥ ३॥ पीछे
पीछेंकालहै॥ आगेंआगेंजीव
नौसागरवेकालिहै॥ पणि:
यादिकरैनहीपीव॥ ४॥ भरम
करमसबलागिकरि॥ झूलि

रह्यासंसार ॥ रांमभजनसत
संगबिनि ॥ गयाजमारोहरि
५ ॥ रांमसुमरिऊसीयारहोइ
सोवैकाहागिवार ॥ रांमचरण
मोसरएह ॥ मिलैनबारूंबार 177

६ ।। ऐसोसरऔसीसखी ।। मितै
नदूजीबार ।। चौकपलटिफि
रिपाइहैं ।। मिनपंजनमऔता
र ।। ७ ।। जैपायातौक्याअया ।। जौन
मिल्यासतसंग ।। घरसूकरऔर

स्वांनजम ॥ कीया बिषैसंगिनं 178
ग ॥ ८ ॥ रांमकहौरेबावरे ॥ अ
नमअमोतिकजाइ ॥ मतिलो
लोधनधांममैं ॥ जासौसबछि
टकाइ ॥ ९ ॥ लषचौरासीजु

गलतां ॥ राषीनरकीआस ॥
रांमचरणतबनरजयौ ॥ त्यागी
ग्रिहकीत्रास ॥ १० ॥ रांमकहै
हेमांनवी ॥ रांमबिनांसबरो
ऊ ॥ रांमचरणजोकाढानयौ

नुघडओनरकौषोज॥११॥ चौ
रासीकेओसरै॥ सबपावैन
रदेह॥ पाईजिनकीसुफल
है॥ ज्योरांमभजनकरिलेह॥
१२॥ रांमचरणइकरांमबिति

179

दूजी करैनबात ॥ याकूं कोई
मांनैंनहीं ॥ जाका सिरपरिला
त ॥ १३ ॥ रांमचद्र एा हरिजन
बिनि ॥ नरक्रौसरन्च कौं ॥ सोहा
दू गदेकौ वौ फ कौ ॥ गरु णाली

यां रूके ॥१४॥ रांमचरणहरि 180
भजनबिनि ॥ औसरहारीना
रि ॥ सोन्हईसिकारणिकूक
री ॥ फिरैअहडीलार ॥१५॥
मुषसूरांमरट्यांकरै ॥ करस

कुक्षिअंनदेह ॥ रांमचरणो
दोइकरि ॥ अंतिनरहैसीदेह
१६ ॥ चौरासीलषँचुगतता ॥ द
त्तिबसंकुपनांहि ॥ रांमभजन
परतापसं ॥ निरभैपदकैमांहि ॥ १७

बुरो कोई मांनौं मतो ॥ मरतौं
है इक बार ॥ साहिब नैं जाणैं
नहीं ॥ सो नर हो सी षुवार ॥ १८ ॥
रांमचरण चेतै नहीं ॥ सतगुर
कहत पुकारि ॥ रांमभजन बि

18

निजातहै ॥ जगतजमारोहारि
१९ ॥ तब्बजमलेवामांगसी ॥
चुगतैपीडसरीर ॥ अपणाकी
यापुनिपापमैं ॥ नहीकुटबका
सीर ॥ २० ॥ रांमचरणकडोज

गत॥ मीठी दे देवाइ॥ नीङ प
ङ्ग्रां अमहत्तकी॥ सबहराहो
इजाइ॥ २१॥ बेगाबेगि स
म्हालीए॥ गाफिलरहीएनां
हि॥ क्या जांणं क्याहोइगा॥ ७४८

प्रावृ पलक कै मांहि ॥ २२ ॥ रां
म चरण अब चेत्ति रे काहा
सो वै असराल ॥ पकड़ि सब
द्र समसेर कूं ॥ षड़ौ सिरांणै का
ळ ॥ २३ ॥ अव धि गई बातां क

रत॥कैंगुदरन्नरतमुषसोइ।
रांमभजनबिनिभ्रूरिषां॥दी
योजमारोषोइ॥२४॥साषी
रांमजनजीकोबेरागबो
धमांहिलासबदलिषते 183

३६॥ बैरागरागबंधनकरै
बौधसबौधहीमंन॥ रांमभि
लणाकं रांमजन॥ जनबनक
रैगवन॥१॥ बनकं करैगवन
जन॥ तनकाजंम्रनाजिराग॥ रांम

जनजगत्यागिकैं ॥ लेवै जनबै 454
राग ॥ २ ॥ चोपई ॥ सौबैराग
दोइ बिधिकेरा ॥ ताको अब
मैंकरूं नवेरा ॥ एकतनाए
कमनसंजानं ॥ तिनकेन्यारे

भेदबषांनं॥३॥तनबैरागासुनं
अबऐसो॥बेलंनीतिम्रगजल
जैसो॥संबलसहोंपसोंनऋतिला
ली॥फलकीबारजांनीएबाली
ध॥ऐसेंजांनंतनबैरागा॥बिप

तिपस्यां जिनकीन्हीं त्यागा ॥ ना
रिमूंई केंबीतीमाया ॥ कैंकोई
तहणां बालसंताया ॥ ५ ॥ कैंको
ई रूगहूं टारोगी ॥ नईसंतांच
ली रूचा बियोगी ॥ तनकूपरि
श्रव सांगबनायो ॥ मनमैंकुबधि 1२
185

कांमन्नरमायौ॥ ६ ॥ राजसिद्धिधि
सिंएगारैतनकं॥ बाजैसाधनरो
कैमनकं॥ तनबैरागीतनकंपो
षै॥ तपस्याकरैनकायासोषै॥ ७ ॥
जौलगजोगसंजोगनपावै॥ तौल
गिजीवबोहोतजकलावै॥ बाहि

रिदसाचाणवैनीकी॥मनबैरागा
बिनांसबफीकी॥ ५ ॥जोलै मिलै
नसुषजोगादिषा॥तोलवैदीस
तहैरिष॥जबहीआइपरापति
पावै॥तोबुधजंमायासुषगटका
वै॥ ६ ॥तातैंकरसबैतनत्यागी 180

बाहिरिजुकतअंतरिरागी॥ इन
बातनतैंकाजनहोवै॥ अंतिका
लिपिछतावैरोवै॥१०॥ तातैंतन
बैरागनकरीऐ॥ मनबैरागधारि
यैतिरीऐ॥ सोबैरागकरुमनके
रो॥ जातैंछूटैसबदुषघेरो॥११॥

दूहा ॥ बरनि कहें बिधि जगत सु
ष ॥ बंधिहैं ग्रंथ बसेस ॥ तन मन से
ती त्यागि जग ॥ लै गुरकौ उपदेस
१२ ॥ सोरठा ॥ गुर उपदेस बिचारि
त्याग कोऊ करत हैं ॥ काहा संपति
काहा बिपत्ति दोऊ कसंटरत है ॥ म 187

नउपज्यौबैरागारागसबषंकनां
र परिहांऐकमूंहिनबेदजगातकं
छंकनां ॥१३॥ ऐनकौंजीमनत्र्याउजा प
गतकंछंकनां ॥ ऐकसुधनरबेद
सनुरमैंमंकनां ॥ करिनुरिबाहि
रित्यागाकहूंनहीरागाहैं ॥ परिहां

जाकोधनिहैत्रागमंनबैरागहै। १४। जगतऋबिद्यामूलसकलसांसे घाणी॥ दसंदसास्त्रचुनैमाहातीषीऋणी॥ तामैंबीधेजीवऋग्यानीऋंधरे॥ परिहांसिरिऋापाकौत्रारगलैमोहाबंधरे॥ १५॥ 188

उदा॥ बिपतिबिनौताकौकं
रीतिरीतिसंजांनि॥ निष्पुकमत
बैरागगत्त॥ तजिनहीसकेन्न
ग्यांन॥१६॥ छंदमोतीदाम॥
ग्रिहग्यांनमंकी॥ फिरैहैगकंकी
बिनौएकहंकी॥ सोहीकोरबंकी

कीयाकररं॥ क्रुषीसंगत्नं॥
नहींजातछं॥ लीगीजांनिचं
॥ लीयोसोबिपं॥ बिसार्‍यो
अषं॥ चंद्रोकेफकं॥ ग्रि
होहोतगं॥ १७॥ सोरठा॥ ऐ
गतिग्रिहअपार॥ धननिरधन 189

कोकगिनौं ॥ बंधिपरे संसार ॥ दु
षहीकूं सुषमांनिकैं ॥ १८ ॥ छंद
अहोप्रभनागा ॥ जाकै बैराग
लहै सुष आनंद ॥ मिटै दुषफंद ॥
असोसुष और ॥ नंही कहीठौर ॥ क
रै जपजोग ॥ मिटै नांही सोग

करैध्रमनेम॥ पावैनहीषेम॥
करैब्रतवास॥ कटैनहीपास॥
करैजिगजाप॥ दहैत्ततिताप॥
लहैभ्रुगजाइ॥ तांहासुषपाइ॥
सोतोसुषनांहि॥ कहैबेदमांहि॥
भयानककाल॥ मारैइकताल॥

पीछैंन मिपरे॥ ब्रिषतनक्षरै॥ के
ही जुग आप॥ सहै न्रक ताप॥
तातें सुषनांहि॥ माहा दुषमांहि॥
अरू जगरीति॥ जेती बिपरीति॥
नहीं सुष आंन॥ बैराग समांनि॥
गावैं सनकादि॥ ब्रह्मादिक आदि॥

सुरतिबिचार ॥ सुम्रतिकोसार ॥
पुरानकोतंत ॥ बेदांतकोअंत ॥
ऐकादसमांहि ॥ त्रयौसंभकांहि ॥ क 190
हौत्रिकस्तनदेव ॥ ऐसोनिजभेव ॥
तजौजमराग ॥ तहौजुबैराग ॥ ता
केतुलिनांहि ॥ त्रीऐलोकमांहि ॥

१९ ॥ चौपई ॥ कालमसतहरिसं
मौत्ती नां ॥ सकनैं देवलिबासजुकी
नां ॥ कैं कोकमंढीमसांणांबासा ॥
तजीसकलयांजगकी आसा ॥ २०
आसाबंधनलोक अनेका ॥ सुरन
रअसुरनकोई लेषा ॥ आसाअथ

मकरमकरवावै ॥ आसा त्रिस्नां
धरमबुकावै ॥ २१ ॥ आसा तन औ
चंट अकारी ॥ आसा करै जीवक
पुवारी ॥ आसा देत धरम संटारी ॥
आसा जगत मिलायो छारी ॥ २२
आसा दीनपनों दिषलावै ॥ आसा

हूकरबचनसुनावै ॥ आसानाच
नचावैबोहोतता ॥ आसादेवोबिधि
बिधिगोता ॥ २३ ॥ आसाकरैगुलतां
मीकेती ॥ नहींनहीं होइ आदरै
जेती ॥ ओरअनंतमतआसाकेरा
आसाकरैजगतकाचेरा ॥ २४ ॥

आसा मांहि अनंत उपजां नूं ॥ ऐं
सैं ही त्रिस्नां लोभ नबषां नूं ॥ और 191
अविद्या औगुण केते ॥ ए तां जां
हां जगत है जेत्ते ॥ २५ ॥ दुहा ॥ ऐं
सैं जांन्यौं जगत कूं ॥ निंनिनिंनिक
रिकैं करूर ॥ बैरागी जन तासूं

सदारहैतहैहरि॥२६॥ हंसमो
तीहंस॥ कहंषालषाके॥क
हंनालनाके॥कहंसैलसिला
कहंनांहितला॥कहंतालबा
पी॥कहंआपआपी॥कहंबा
गछाया॥तहंहैसुषकाया॥कहं

घांमसीतं॥ संमैंसोअतीतं॥ माहा
तंनषीनं॥ सुषंजोगहीनं॥ नहींमं 192
त्रबैरी॥ मसांनांबसेरी॥ सुतैसिधि
फोले॥ नहींमुषबोलै॥ कहूंग्रांम
मोटै॥ रहैबैविछोटै॥ नहींआसपा
सा॥ रहैसोउदासा॥२७॥ चौपई॥

रहै नां अचसिजगातसंन्यारा ॥ ए
कसदाहरिकै आधारा ॥ ज्यूं गज
सऋ घासनषावै ॥ अजबांहूं नन
हीमीनचूगावै ॥ २५ ॥ चात्रगजो
मिनीरनहीपीवै ॥ इनकैधरमबि
चारिसदीवै ॥ यूं जनपालैअपनं

धरमां ॥ गहैनरबेदसहैतनसरमां
२९ ॥ अफलपंषिनहीबैवैधरंनी
जाकीसाषिजांहांतांहांबरनी ॥
परिचलिअबरतेंधरिआवै ॥ ग
जनषिनलेअंबरिजावै ॥ ३० ॥
दूंजनआसेबासेहूरा ॥ लिपैन

193

जगमैंजक्षजलसरा॥अाहारत्र
सीबिधिदेहनिरज्ञावै॥निष्पानि
मतिपुरनमैंजावै॥३१॥केदनु
जंगी॥नगेसीमपांवसुन्नावंस
धीरे॥गलामांहिकंथामाह्राजीर
चीरं॥लीयांहाथमांहीसुरावंस

जी है॥ ऐह मतधारी सन्यासा तजी
हैं॥ चलै माघ सो धप्रमो धं बिचारी॥ ९५
नही कोई दोघं दयादेसन्नारी॥
नही ताकि जावे मुत्तै सिधि कोल्लै
ऐही ब्रितिधारी करारी नमोत्लै
॥३२॥ नही संसकारंत्तबायो नजावे॥

कोऊअगिसंसारताकंसंतावै
कोऊतीषबाचागुसैहोइबोलै
कहैचोरऐहैयांहांकोइकोलै
कोऊदुष्टपापीसचोटलगावै
सदासांतिबिष्णुकबरनैसुजावै
कोऊलोकबालासचालाअपारं

करै कोऊ हांसी नही चितधारं ॥३३ 195
कोऊं जापत्तापी रिषी जांनि पूजे ।
कोऊं बातचीतं कनैं लागि बूझे ।
कोऊ आंनिं निंमिष्यां धरहू कटेरा ॥
कोऊ भोज सुधं कोऊ कोइ फेरा ॥
कोऊं नीचपोचं करै है एहसुत्रा ॥ क

रैन्नीबमैजंन्नरैपकरिजद्रा ॥ कोक
माहामंनीमनोजीतन्नाषै ॥ ऐद
आपनतनमांनिस्संसारंदाषै ॥ ३४ ॥
कोकमांनन्नांवंबधांवैबसेपा ॥
कोकतांहितसकारगांवैन्नसेषा
नहीरागदोषंधरैसोन्निपारी ॥ स

दापूरि सारै बिचारै मुरारी ॥ त्ती
यांहै तंतष्यासष्यागपानधीरं ॥ फि
रै त्रापत्रापोबिसार्‍यासरीरं ॥
मानं मतमातंगघूमंतजोहै ॥ त्र
सीज्ञांतिविष्युकऊनमतहोहै ॥
३५ नहींत्यांग्रहंकारज्ञारंतजेहैं ॥ 196

1479

सदासुधआसैनिरासैनजेहैं॥न
हीं स्वादसिंगारन्हावैकदेही॥गि
नैंधूरिसांमांनिजांनैंसुदेही॥नंही
पतिबांधैनराधैनयोवै॥जथाजो
गिनिष्पापेहब्रितिजोवै॥नहीः
आसपासीउदासीअकेला॥स

दाकालथ्योनंतजेद्दांसिबेला

२६॥ रेगटिकामैंसबदहैजिन
कीसंष्या॥स्वांमीजीश्रीसंत
दासजीकीसाषी॥२७१॥स्वां
मीजीश्रीरामचरणजीकी
साषी॥१०२॥ग्रंथ॥१॥स्वां

197

1479

श्रीजी श्रीरामजनं जी का स
बद ॥ दुहा ॥ ५ ॥ चौपई ॥ १९
॥ सोरठा ॥ १ ॥ अरिल ॥ ३ ॥ छंद
मोतीदाम ॥ ३ ॥ छंद भुजंगी
५ ॥ सरबसबदा ॥ ३६ ॥ इती:
गोदकौ सम्पूरणा ॥ दुहा ॥ ॥

1479